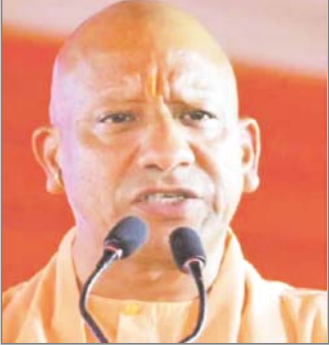


संक्षिप्त समाचार

दुर्गा पंडालों की सुरक्षा को लेकर सीएम योगी सख्त, डीएम और कसानों को फ़ील्ड में रहने के लिए निर्देश



लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में दुर्गा पूजा पंडालों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सभी पुलिस कमिश्नर, जिलाधिकारियों और पुलिस कसानों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को पंडालों में सुरक्षा इंतजामों की जांच करने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित कराने को कहा है। निर्देशों के तहत सभी अधिकारी दुर्गा पंडालों में अनिवार्य सुरक्षा के इंतजामों की जांच करेंगे। जिलाधिकारी और पुलिस कप्तान प्रवेश व निकास द्वारों का निरीक्षण करेंगे। साथ ही, आपात स्थिति में लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए पर्याप्त इमरजेंसी एजिजेंट की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने पंडालों में विद्युत व्यवस्था की भी जांच कराने के निर्देश दिए हैं, ताकि शॉर्ट सर्किट या अन्य बिजली संबंधी घटनाओं के खतरे को कम किया जा सके। अधिकारियों को फ़ील्ड में रहकर सुरक्षा व्यवस्थाओं की निगरानी करने को कहा गया है।

किराए के घर में बना दी ड्रग्स की लैब, नोएडा में पकड़ा गया करोड़ों का नशीला कारोबार



नई दिल्ली, एजेंसी। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा के जहानाबाद कादरपुर गांव में नशीले पदार्थ बनाने वाली दो अवैध लैब का भंडाफोड़ किया है। टीम ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। ब्यूरो ने शनिवार को इस मामले की जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्रवाई शुक्रवार को की गई। दोनों लैब किराये की जगहों पर चल रही थीं, जहां सिंथेटिक ड्रग्स बनाने और उनकी प्रोसेसिंग का काम किया जा रहा था। कार्रवाई में 379.740 किलो एम्फेटामिन युक्त सामग्री और 10 किलो स्प्रैडोफेइन बरामद किया गया। जब्त सामग्री से करीब 56 किलो तैयार क्रिस्टलीय एम्फेटामिन बनायी जा सकती थी, जिसकी अवैध बाजार में अनुमानित कीमत करीब 45 करोड़ रुपये है।

बड़ी मात्रा में केमिकल भी बरामद: मिली जानकारी के अनुसार, बरामद एम्फेटामिन युक्त सामग्री में 4.260 किलो क्रिस्टलीय, 157.700 किलो अर्ध-क्रिस्टलीय और 217.780 किलो तरल पदार्थ शामिल है। इसके अलावा, लैब से हाइड्रोक्लोरिक एसिड, एसिटोन, टोल्युन, सल्फ्यूरिक एसिड और पोटेशियम परमैंगेनेट समेत बड़ी मात्रा में रसायन भी मिले हैं। इन रसायनों का इस्तेमाल मेथामफेटामिन बनाने में किया जाता है।

विदेशी भी गिरफ्तार: इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान डेस्टिनी अब्राहम डुमबिरी और मिजोरम की रहने वाली लल्लवमजुआली उर्फ ओलिविया लालछाविमावी के रूप में हुई है। डुमबिरी ने खुद को नाइजीरियाई नागरिक बताया था। इमिग्रेशन रिकॉर्ड के अनुसार हालांकि वह जनवरी 2020 में फ्रांसिस कालोकोह नाम से सिएरा लियोन के नागरिक के रूप में पर्यटन वीजा पर भारत आया था। उसका वीजा दिसंबर 2020 तक वैध था। एनसीबी के मुताबिक, अलग-अलग पहचान का इस्तेमाल कर जांच एजेंसियों को गुमराह करने की आशंका की जांच की जा रही है। दूसरी आरोपी ओलिविया को गत मार्च में गोवा के डबोलेम एयरपोर्ट पर 313 ग्राम हेरोइन युक्त पाउडर मिलने के मामले में डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस ने गिरफ्तार किया था। यह बरामदगी उसके चेक-इन सामान से हुई थी। वह फिलहाल उस मामले में जमानत पर है।

लैब से क्या-क्या मिला: एनसीबी को दोनों ठिकानों पर बड़े पैमाने पर रसायनों की प्रोसेसिंग के इंतजाम मिले। इनमें बड़े हॉटिंग उपकरण, कांच के रिएक्शन वेसल, रसायन रखने के ड्रम, फिल्टर करने के उपकरण, वजन मापने वाली मशीनें, रेफ्रिगेटर और अन्य लैब उपकरण शामिल हैं।

95 किलो ड्रग्स बरामद: एनसीबी ने अक्टूबर 2024 में गौतम बुद्ध नगर के कासना औद्योगिक क्षेत्र में भी सिंथेटिक ड्रग बनाने वाली एक अवैध लैब का भंडाफोड़ किया था। उस कार्रवाई में ज़ेस और तरल रूप में करीब 95.5 किलो सिंथेटिक ड्रग्स जब्त की गयी थी। ब्यूरो अब मौजूदा मामले में पैसे के लेन-देन, रसायनों की खरीद और ड्रग्स की सप्लाई से जुड़े नेटवर्क की जांच कर रहा है।

कसाब को फांसी दिलाने वाले वकील उज्ज्वल निकम केतन मर्डर केस की करेंगे पैरवी

पिंपरी चिंचवड, एजेंसी। पुणे जिले के मावल तालुका के लोहागढ़ में हुए केतन अग्रवाल के हाई-प्रोफाइल मर्डर केस में सीनियर वकील उज्ज्वल निकम को स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर अपॉइंट किया गया है. केतन की साहूँ सिया गोयल से हुई थी. अग्रवाल परिवार दोषियों को कड़ी सजा दिलाने और कोर्ट में अभियोजन का केस अच्छे से पेश करने की वकालत कर रहा था. उनकी कोशिशें अब रंग लाई हैं, क्योंकि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आधिकारिक रूप से नियुक्ति पत्र पर साइन कर दिए हैं. अग्रवाल परिवार ने मुख्यमंत्री फडणवीस से मुलाकात की थी और सीनियर वकील उज्ज्वल निकम को स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर अपॉइंट करने की रिक्वेस्ट की थी. परिवार को सकारात्मक नतीजे की उम्मीद थी, लेकिन टेक्निकल वजहों से



आधिकारिक रूप से नियुक्ति पत्र पर साइन करने में देरी हुई. अग्रवाल परिवार दो दिन पहले एक बार फिर फडणवीस से मिला ताकि यह पक्का हो सके कि नियुक्ति औपचारिक रूप से सुनिश्चित हो जाए. इस मीटिंग के दौरान स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर अपॉइंट करने का मामला एक बार फिर उठाया गया. इसके बाद मुख्यमंत्री ने आधिकारिक रूप से नियुक्ति पत्र पर साइन कर दिए, जिससे उज्ज्वल निकम की नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया. वकील

उज्ज्वल निकम को मुंबई 26/11 के आतंकवादी अजमल कसाब के खिलाफ एक मजबूत केस बनाने का क्रेडिट दिया जाता है, जिसके बाद कसाब को सजा हुई और फांसी पर लटका दिया गया. इसके साथ ही बॉलीवुड स्टार संजय दत्त और दिवंगत सिंगर गुलशन कुमार के केस को लेकर भी चर्चा में रहे. उज्ज्वल निकम एक जाने-माने सीनियर वकील हैं, जो देश भर में कई हाई-प्रोफाइल और सेंसिटिव केस में प्रॉसिक्यूशन का केस लड़ने के लिए जाने जाते हैं. अग्रवाल परिवार को उम्मीद है कि उनका अनुभव इस केस में काम आएगा. उन्हें उम्मीद है कि इस अपॉइंटमेंट से यह पक्का होगा कि सुनवाई के दौरान प्रॉसिक्यूशन का पक्ष अच्छे से रखा जाएगा. अपॉइंटमेंट प्रोसेस पूरा होने के बाद अग्रवाल परिवार ने सीएम फडणवीस का शुक्रिया अदा

किया.

फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई का आग्रह: केतन के पिता विशाल अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री फडणवीस ने भी उन्हें भरोसा दिलाया है कि केस फास्ट ट्रैक किया जाएगा. आईएनएस से बात करते हुए विशाल अग्रवाल ने कहा, '18 जून, 2026 को मेरे बेटे की हत्या के बाद ग्रामीण पुलिस कमिश्नरेट

ने मुझे बहुत अच्छा सपोर्ट दिया और केस को अच्छे से संभाला. जांच के बाद मैंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से एक रिक्वेस्ट की. केतन के पिता ने कहा, 'मामले में चार्जशीट फाइल कर दी गई है. मुझे पूरा भरोसा है कि उज्ज्वल निकम इस केस को बहुत अच्छे से संभालेंगे और सिया और चेतन को मौत की सजा दिलाएंगे।

मौत की सजा से समाज में एक मजबूत संदेश जाएगा

इस बीच विशाल अग्रवाल ने मेरठ में दो अलग-अलग मामलों में हाल ही में आए फैसलों के बारे में भी बात की, जहाँ दोनों आरोपी पत्नियों और उनके प्रेमियों को दोषी ठहराया गया और मौत की सजा सुनाई गई. उन्होंने कहा, 'हालांकि कोई भी चीज परिवारों को उनके बेटों की बेरहमी से हत्या के लिए सही मायने में मुआवजा नहीं दे सकती, लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई कि कोर्ट के फैसलों के बाद, 'न्याय व्यवस्था में लोगों का भरोसा फिर से कायम होगा.' केतन के पिता ने भरोसा जताया कि मौत की सजा के फैसले समाज में एक मजबूत संदेश जाएगा और उन लोगों में डर पैदा होगा जो ऐसे जघन्य अपराध करने के बारे में सोच सकते हैं।

कोटा बस हादसा - घायलों से अस्पताल में मिले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, बेहतर उपचार के लिए निर्देश

कोटा, एजेंसी। कोटा में शनिवार की सुबह दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हुए दर्दनाक बस हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हो गए। घायलों को न्यू मेडिकल कॉलेज और एबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला अस्पताल पहुंचे और घायलों से मिलकर उनका हालचाल जाना। इस दौरान कलेक्टर पीयूष समारिया, आईजी हरेंद्र महावर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। ओम बिड़ला ने अस्पताल के प्राचार्य को बेहतर उपचार के निर्देश दिए। उन्होंने हादसे पर दुःख जताते हुए कहा कि ब्लैक स्पॉट को चिह्नित कर भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने के लिए पुख्ता कदम उठाए जाएंगे। ओम बिड़ला ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'पूरी घटना की जांच की जा रही है और इसके नतीजों की समीक्षा की जाएगी। एक टीम लगातार सड़क सुरक्षा उपायों का अध्ययन कर रही है, ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए व्यापक कदम उठाए जा सकें, चाहे वह दिल्ली-मुंबई हाईवे हो या



अन्य सड़कों। टीम ने कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। टीम की अंतिम बैठक नवंबर में होगी। इसके बाद एनएचआई, आंतरिक और पीडब्ल्यूडी की सड़कों पर चिह्नित दुर्घटना के प्वाइंट (ब्लैक स्पॉट) को ठीक कराया जाएगा। दुर्घटना चिह्नित स्थानों पर विशेष देखभाल की जाएगी, जिससे हादसे न होने पाएं।' ओम बिड़ला ने कहा, 'हादसा दुःखद

और पीड़ादायक है। घायलों के इलाज में किसी भी तरह की कोताही बरती नहीं जाएगी। भविष्य में होने वाली घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। ' बता दें कि कोटा के सिमलिया थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह करीब 6.30 बजे एक मिनी बस भोपाल से खादश्याम जा रही थी। इसी दौरान एक्सप्रेसवे पर मिनी बस अनियंत्रित हो गई और एक नाले के ऊपर बने पुल से जा टकराई। इसके बाद मिनी बस करीब 15 फीट की ऊंचाई से जा गिरी। मौके पर पहुंचने के बाद पुलिस टीमों ने सभी घायलों को एंबुलेंस के जरिए अस्पताल के लिए भेजा और शवों को अपने कब्जे में लिया। कोटा ग्रामीण के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा ने बताया कि दुर्घटना में करीब 8 लोगों की मौत हो गई है और 15 से अधिक यात्री घायल हुए हैं। भोपाल से कुछ यात्री मिनी बस में खादश्याम की यात्रा करने के लिए जा रहे थे। सभी लोग अलग-अलग परिवारों से हैं, लेकिन वे सभी एक-दूसरे को जानते हैं।

मायावती का एलान: अब आकाश आनंद के जिम्मे होंगी जनसभाएं-सम्मेलन

ईशान को दी गई दिल्ली की जिम्मेवारी

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने पार्टी संगठन और आगामी कार्यक्रमों को लेकर एक विस्तृत बयान जारी किया है। उन्होंने बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद की परिपक्वता और मेहनत की सराहना करते हुए उनके आगामी जनसभा कार्यक्रमों की सूची जारी की है, जबकि उनके रिश्तेदार अशोक सिद्धार्थ की पार्टी में वापसी की सभी संभावनाओं को सिरे से खारिज



कर दिया है। इसके अलावा, उन्होंने अपने दूसरे भतीजे ईशान आनंद की भी पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में सक्रिय भूमिका की घोषणा की है।

आकाश आनंद की राजनीतिक सूझबूझ की सराहना: मायावती ने कहा कि

अशोक सिद्धार्थ द्वारा राजनीति से संन्यास लेने के बाद, बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद काफी सूझबूझ और परिपक्वता (मैच्योरिटी) का परिचय दे रहे हैं। वे परिवार और रिश्ते-नातों से ऊपर उठकर बसपा पार्टी व मूवमेंट के कार्यों को प्रथमिकता दे रहे हैं

और अपनी जिम्मेदारियों को पूरी मेहनत से निभा रहे हैं।

अशोक सिद्धार्थ की वापसी पर पूर्ण विराम

मायावती ने स्पष्ट किया कि पिछले दिनों हुए अभिय घटनाक्रमों के लिए आकाश आनंद कम और उनके रिश्तेदार अशोक सिद्धार्थ ज्यादा जिम्मेदार थे। इसी वजह से अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से बाहर कर राजनीति से संन्यास लेने की सलाह दी गई थी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सतर्क करते हुए कहा कि इन अफवाहों पर बिल्कुल ध्यान न दें कि अशोक सिद्धार्थ को दोबारा पार्टी में लिया जाएगा। उन्हें अब किसी भी स्थिति या कीमत पर बसपा में वापस नहीं लिया जाएगा। मायावती ने बताया कि आनंद कुमार के छोटे बेटे ईशान आनंद, जिन्होंने अपनी वकालत (लॉ) की पढ़ाई लंदन से पूरी की है, अब बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष के दिशा-निर्देशन में एक सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में काम करेंगे। वे दिल्ली स्थित बसपा के केंद्रीय कार्यालय में पार्टी के चुनाव और कागजी कामकाज (पैपरवर्क) से संबंधित जिम्मेदारियों में सहयोग देंगे।

कंसास में फुटबॉल मैच के दौरान मैदान में घुसी कार, बच्चे समेत दो की मौत, हिरासत में वाहन चालक

कंसास, एजेंसी। अमेरिका के कंसास राज्य के विंचिटा शहर में शनिवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। एक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में फुटबॉल मैच के दौरान कार मैदान पर घुस गई। इस घटना में एक बच्चे समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए।

सीएनएन ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि घटना के बाद पुलिस ने कार चालक को हिरासत में ले लिया। विंचिटा पुलिस विभाग के आरोन मोंटेस ने कहा कि चालक हिरासत में है और उससे आम लोगों को अब कोई अतिरिक्त खतरा नहीं है।

दोपहर करीब 3:25 बजे हुआ हादसा: अधिकारियों के अनुसार, यह घटना स्ट्राइकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हुई। स्थानीय समय के मुताबिक, दोपहर करीब 3:25 बजे कार परिसर में घुस गई। उस समय मैदान पर फुटबॉल मैच चल रहा



था। मोसेस ने बताया कि घटना के वक्त कार में दो नाबालिग भी सवार थे। हादसे के बाद वाहन घटनास्थल पर ही मौजूद रहा। मृतकों की पहचान अभी समझा जा सके। सीएनएन के मुताबिक, जांचकर्ताओं ने अभी यह तय नहीं किया है कि कार कितनी तेज रफ्तार से चल रही थी और वह सुरक्षा घेरा पार कर मैदान तक कैसे पहुंची। हादसे के

बाद खेल परिसर में होने वाले कार्यक्रम तत्काल रोक दिए गए।

फ्लैग फुटबॉल के मुकाबले भी स्थिति: कंसास स्टेट हाई स्कूल एक्टिविटीजी ए स ो स ए श ा न (केएसएचएसए) ने बताया कि स्ट्राइकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रही राज्य स्तरीय फ्लैग फुटबॉल प्रतियोगिता के तीसरे स्थान और चैंपियनशिप के मुकाबले स्थगित कर दिए गए। पुलिस ने घटनास्थल की जांच और सुरक्षा व्यवस्था के लिए आसपास के मैदान को सुरक्षित किया था। एसोसिएशन ने हादसे से प्रभावित परिवारों और टीमों के प्रति संवेदना जताई। उसने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि आपातस्थिति को देखते हुए दोनों मुकाबलों को बाद की तारीख तक स्थगित करना उचित समझा गया। एसोसिएशन के मुताबिक, मुकाबलों की नई तारीखों की जानकारी सोमवार को दी जाएगी।

तुम ऐसे नहीं मर सकते को-पायलट के हमले के बीच भारतीय पायलट रिमत मछर ने ऐसे बचाई अपनी जान

दुबई, एजेंसी। पिछले महीने दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाई दुबई (flydubai) की फ्लाइट में भारतीय पायलट स्मित मछर की बहादुरी के किस्से सभी की जुबां पर छाप हुए हैं. उन्होंने अपनी बहादुरी से 170 से ज्यादा लोगों की जान बचाई थी. इस दौरान मछर गंभीर रूप से जखमी हो गए थे. इस बीच मछर उस घटना को याद करते हुए बताया कि उन्हें पहले लगा कि उनकी फ्लाइट की छत से कोई चीज टूटकर उनके सिर के पिछले हिस्से पर आ लगी है. लेकिन बाद में उन्हें अहसास हुआ कि उन पर उनके ही को-पायलट ने हमला किया है. 'स्काई न्यूज अरबिया' को दिए एक इंटरव्यू में मछर ने उस खौफनाक घटना को याद किया और बताया कि कैसे एक सामान्य फ्लाइट अचानक जान बचाने की लड़ाई में बदल गई. कैप्टन स्मित मछर ने, उड़ान भरने के दो घंटे बाद, कंप्यूटर पर लैंडिंग का समय और ईंधन की जानकारी देख रहे थे, तभी उनके सिर के पिछले हिस्से पर जोरदार प्रहार हुआ. बीटीएन का एक ब्रोडिंग 737 के कॉकपिट की छत का कोई हिस्सा टूटकर गिर गया है. कुछ ही सेकंड बाद,



जब उन पर ओर वार होने लगे, तो उन्होंने मुड़कर देखा कि उनके सह-पायलट उन पर हमला कर रहे थे.

भारतीय पायलट ने बताई पूरी घटना: उन्होंने कहा कि फ्लाइट बिल्कुल सामान्य तरीके से चल रही थी, सभी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी थीं और ऐसा कुछ भी नहीं हुआ था जिससे आगे होने वाली घटना का कोई संकेत मिलता. उन्होंने बताया कि यह पहली बार था जब वे इस को-पायलट के साथ उड़ान भर रहे थे. मछर के अनुसार, उड़ान के लगभग दो घंटे बाद एक दूसरे कैप्टन जिन्हें वापसी की उड़ान संभालनी थी कॉकपिट में उनसे मिलने आए. उसी समय को-

पायलट भी शौचालय (lavatory) गए थे और थोड़ी देर बाद वापस लौट आए. मछर ने इंटरव्यू में बताया कि दोनों कैप्टन कुछ देर तक बातचीत करते रहे, फिर को-पायलट ने कहा कि वह नमाज पढ़ना चाहता है. उसने दूसरे कैप्टन को कॉकपिट से बाहर जाने के लिए कहा.

अचानक सिर पर हुआ तेज वार: मछर ने बताया कि शुरुआत में यह अनुरोध कुछ अजीब नहीं लगा. उन्होंने समझाया कि पायलट अपने आराम के समय विमान का कंट्रोल किसी और को सौंप सकते हैं, और इस दौरान नमाज पढ़ने की भी अनुमति होती है. हमला शुरू होने के समय मछर अपनी सीट पर बैठे थे और लैंडिंग के समय और ईंधन की जानकारी के लिए अपना कंप्यूटर चेक कर रहे थे. वहीं को-पायलट उनके पीछे खड़े होकर नमाज पढ़ कर रहे थे, तभी हमला शुरू हो गया. अचानक उनके सिर के पिछले हिस्से पर बहुत जोर से वार हुआ. 38 वर्षीय पायलट मछर ने बताया कि अचानक उनके सिर के पिछले हिस्से पर बहुत जोरदार प्रहार हुआ. मुझे महसूस हुआ कि कोई बहुत भारी चीज लगी है.

शुरुआत में उन्हें लगा कि शायद फ्लाइट की छत का कोई हिस्सा टूटकर उन पर गिर गया है, लेकिन कुछ ही सेकंड में उन्हें समझ आ गया कि उन पर हमला हुआ है. उन्होंने बताया कि इन वार की पहचान उन्होंने नजर सिम्टकर बस कुछ इंच तक ही रह गई थी, वार के कारण उन्हें केवल कुछ इंच तक ही दिखाई दे रहा था. बाद में डॉक्टरों से उन्हें पता चला कि ऐसा हमले के कारण ही हुआ था. सबसे पहले उन्होंने खुद को और वार से बचाने की कोशिश की. उन्होंने अपनी सीट बेल्ट खोली और हमले को रोकने की कोशिश की, इस दौरान उनके हाथ में चोट लग गई. इसके बाद उन्होंने दूसरे कैप्टन को वापस कॉकपिट में बुलाने की कोशिश की.

दरवाजा खोलने वाले स्विच को दबाने की कोशिश: मछर ने बताया कि वह अपने साथी का नाम पुकार रहे थे और दरवाजा खोलने वाले स्विच को दबाने की कोशिश कर रहे थे, इसी दौरान वह पहली बार बेहोश हो गए. उन्हें याद है कि उन्होंने किसी तरह दरवाजा खोल लिया था, लेकिन हमलावर ने बाकी लोगों को भी मारने की धमकी

दी, जिसके बाद दरवाजा फिर से बंद हो गया. इसके कुछ ही देर बाद, उन्होंने इंजनों को आवाज धीमी होते सुनी और महसूस किया कि फ्लाइट नीचे की ओर गोता (ड्राइव) लगाने लगी है. एक पायलट के तौर पर अपने अनुभव के आधार पर, उन्होंने बताया कि वे बिना किसी उपकरण (इंस्ट्रुमेंट) को देखे ही, इंजन की आवाज में आए बदलाव और विमान की हलचल को पहचान सकते थे. उन्होंने कहा कि घटना के दौरान मैं बार-बार बेहोश हो रहा था और फिर होश में आ रहा था फ्लाइट कैप्टन ने बताया कि उसके बाद के पलों की उनकी यादें धुंधली और अधूरी हैं. उन्होंने आगे कहा कि उन्हें याद है कि उन्होंने कॉकपिट के दरवाजे तक पहुंचने की कोशिश की थी. अपने पैरों को कहीं फंसाकर खुद को आगे की ओर धकेला था. इसके बाद उन्हें बस इतना याद है कि दरवाजा खुला था और वे खुद कॉकपिट और गैलरी (विमान के किचन वाले हिस्से) के बीच पड़े हुए थे.

घटना के बाद सबसे पहले 2 साल के बेटे को किया फोन: यह इंटरव्यू संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के एक अस्पताल में लिया गया।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन स्थलों का अधिकारियों ने किया निरीक्षण, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन पर जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन एवं दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग सतर्क हैं पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और विसर्जन स्थलों पर आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अधिकारियों द्वारा लगातार निरीक्षण किया जा रहा है इसी क्रम में अधिकारियों ने जिले के विभिन्न विसर्जन स्थलों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा की गुआउट स्थित दुर्गा प्रतिमा विसर्जन स्थल का अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी एवं अनुविभागीय अधिकारी गोपद बनवास प्रिया पाठक ने निरीक्षण किया इस दौरान अधिकारियों ने विसर्जन स्थल पर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा इंतजामों तथा आयोजन को व्यवस्थित ढंग से संपन्न करने के लिए की गई तैयारियों का अवलोकन किया उन्होंने विसर्जन के दौरान संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाओं पर निगरानी रखने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न



करना पड़े इसी तरह अनुविभागीय अधिकारी रामपुर नैकिन अजय शर्मा ने भंवर सेन एवं शिवराज स्थित दुर्गा प्रतिमा विसर्जन स्थलों का निरीक्षण किया उन्होंने यहां श्रद्धालुओं की आवाजाही, सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण से संबंधित तैयारियों का जायजा लिया अधिकारियों ने विसर्जन के दौरान लोगों की आवाजाही को व्यवस्थित बनाए रखने तथा किसी भी अप्रिय स्थिति की आशंका को रोकने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

सुरक्षा और समन्वय पर विशेष जोर: निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान संभावित जोखिमों को कम करना और श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित

वातावरण उपलब्ध करना है पर्व के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के विसर्जन स्थलों पर पहुंचने की संभावना को देखते हुए सतर्कता और बेहतर प्रबंधन को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अधिकारियों ने संबंधित व्यवस्थाओं पर लगातार निगरानी रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर विभिन्न विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित करने पर जोर दिया। प्रशासन का प्रयास है कि विसर्जन कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था प्रभावी बनी रहे और श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के धार्मिक आयोजन में शामिल हो सकें प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा किए जा रहे निरीक्षणों से विसर्जन स्थलों पर तैयारियों की समीक्षा की जा रही है।

रीवा महापौर से सांसद जनार्दन मिश्रा ने मांगा 5 साल का रिपोर्ट कार्ड, बोले- 100 में से ढाई नंबर दूंगा

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। भाजपा सांसद जनार्दन मिश्रा ने रविवार को रीवा नगर निगम के कांग्रेस महापौर अजय मिश्रा बाबा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने महापौर से पांच साल के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड सार्वजनिक करने की मांग की। सांसद ने आरोप लगाया कि महापौर ने शहर के विकास के लिए अपेक्षित काम नहीं किए और केवल भूमिपूजन के दौरान नारियल फोड़ने तक सीमित रहे सांसद ने कहा कि रीवा नगर निगम को भी प्रदेश के अन्य नगर निगमों के समान बजट दिया है, इसके बावजूद शहर में विकास कार्यों को लेकर महापौर की भूमिका पर सवाल उठते हैं। उन्होंने बाढ़ से बचाव के लिए पर्याप्त काम नहीं करने का आरोप भी लगाया।

विकास कार्यों का हिसाब देने की मांग: जनार्दन मिश्रा ने कहा कि महापौर विकास कार्यों में देरी का ठीकरा उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल और भाजपा पर फोड़ते हैं जबकि उन्हें अपने कार्यकाल में हुए कार्यों का हिसाब जनता के सामने रखना चाहिए उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि महापौर ने विकास कार्यों के लिए मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री और केंद्र सरकार से पर्याप्त समन्वय नहीं किया।

बोले- 100 में से ढाई नंबर दूंगा: सांसद ने महापौर के कामकाज को लेकर बेहद कम अंक देते हुए कहा कि वे जनता की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उठते हैं उन्होंने तंज करते हुए कहा मैं उन्हें 10 में से नहीं बल्कि 100 में से ढाई नंबर दूंगा सांसद के इन बयानों से शहर की राजनीति में नगर निगम के कामकाज को लेकर बहस तेज होने की संभावना है हालांकि महापौर की ओर से इन आरोपों पर प्रतिक्रिया इस खबर में सामने नहीं आई है।

बीएसी और जनशिक्षकों के पदों के लिए तृतीय काउंसलिंग 22 अक्टूबर को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला शिक्षा केंद्र सीधी द्वारा विकासखंड अकादमिक समन्वयक (बीएसी) के विषयवार पदों एवं जनशिक्षकों के रिक्त पदों की पूर्ति के लिए तृतीय काउंसलिंग 22 अक्टूबर 2026 को आयोजित की जाएगी काउंसलिंग की प्रक्रिया जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (खडट), सीधी में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक संपन्न होगी जिला परियोजना समन्वयक, जिला शिक्षा केंद्र विनय मिश्रा ने बताया कि रजिष्ट्र शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा 24 जून 2026 को जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार काउंसलिंग आयोजित की जा रही है। इसके माध्यम से निर्धारित पात्रता रखने वाले शिक्षकों को बीएसी एवं जनशिक्षक के पदों पर चयन प्रक्रिया में शामिल होने का

अवसर मिलेगा।

52 वर्ष से अधिक आयु के शिक्षक नहीं होंगे पात्र: काउंसलिंग में ऐसे माध्यमिक शिक्षक एवं उच्च श्रेणी शिक्षक भाग ले सकेंगे जिनकी आयु 1 जनवरी 2026 की स्थिति में 52 वर्ष से अधिक नहीं है इसके साथ ही संबंधित शिक्षक के विरुद्ध कोई विभागीय जांच, आपराधिक प्रकरण अथवा लंबे समय से अनुपस्थित रहने का मामला प्रचलित नहीं होना चाहिए। शिक्षक को पूर्व में दंडित भी नहीं किया गया हो निर्धारित शर्तों को पूरा करने वाले शिक्षक ही चयन प्रक्रिया में शामिल होने के पात्र होंगे

21 अक्टूबर तक जमा करें आवेदन: पात्र शिक्षकों को निर्धारित प्रारूप में पंजीयन आवेदन आवेदन आवश्यक संलग्नकों के साथ 21

अक्टूबर 2026 को शाम 4 बजे तक जिला शिक्षा केंद्र, सीधी के कार्यालय में जमा करना होगा हालांकि निर्धारित समय-सीमा में आवेदन जमा नहीं कर पाने वाले पात्र शिक्षक भी काउंसलिंग से वंचित नहीं होंगे ऐसे शिक्षक 22 अक्टूबर को खडट, सीधी में निर्धारित समय के दौरान अपने सेवाकाल एवं योग्यता से संबंधित समस्त अभिलेखों की प्रतियों के साथ उपस्थित होकर प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे जिला शिक्षा केंद्र ने सभी पात्र माध्यमिक एवं उच्च श्रेणी शिक्षकों से अपील की है कि वे निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत कर आवश्यक दस्तावेज तैयार रखें और 22 अक्टूबर को समय पर उपस्थित होकर तृतीय काउंसलिंग में सहभागिता सुनिश्चित करें।



मीडिया ऑडीटर,सिंगरौली (निप्र)। जिले केचितरौली थाना क्षेत्र मेंरविवार शाम करीब 4 बजे गखड़ से भरे एक बल्कर में अचानक आग लग गई। वाहन सिंगरौली से सतना की ओर जा रहा था आग इतनी तेजी से फैली कि चालक और क्लीनर को वाहन से दूरकर अपनी जान बचानी पड़ी। कुछ ही देर में पूरा बल्कर जलकर खाक हो गया गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

इंजन से उठने लगा धुआं: बल्कर चालक शंक्श गुप्ता के मुताबिक, देक्सर से आगे बढ़ते ही वाहन के इंजन की तरफ से धुआं और आग की लपेटें उठने लगीं स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उसने बल्कर को बस्ती से आगे खाली स्थान पर खड़ा किया इसके बाद चालक और क्लीनर तुलसी नीचे उतर गए देखते ही बस्ती में आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। चालक ने बताया कि उसके पास स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड का संपर्क नंबर नहीं था जिसके कारण तत्काल सूचना देने में परेशानी हुई हादसे के बाद वह रिपोर्ट दर्ज कराने थाने पहुंचा फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है।

सिंगरौली के गनियारी में निकली 551 मीटर लंबी चुनरी यात्रा, जयकारों से गूंजा इलाका नौ दुर्गा उत्सव समिति ने निकाली भव्य यात्रा, महिलाओं और बच्चों ने उत्साह से लिया हिस्सा



मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। 18 अक्टूबर 2026। शारदीय नवरात्र के भक्तिमय माहौल के बीच रविवार को सिंगरौली के केशव नगर गनियारी में नौ दुर्गा उत्सव समिति की ओर से 551

मीटर लंबी चुनरी यात्रा निकाली गई। ‘जय माता दी’ के जयकारों के साथ निकली इस भव्य यात्रा में महिलाओं, बच्चों और अन्य श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र

भक्तिमय माहौल में सगबोर रहा रस्ते में कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने फूल बसाकर यात्रा का स्वागत किया विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष डॉ. डीके मिश्रा ने बताया कि नौ दुर्गा उत्सव समिति वर्ष

2016 से लगातार चुनरी यात्रा का आयोजन कर रही है। इस वर्ष भी परंपरा को आगे बढ़ते हुए 551 मीटर लंबी चुनरी यात्रा निकाली गई इसमें श्रद्धालुओं ने स्वेच्छ से चुनरी दान कर अपनी आस्था प्रकट की।

इन प्रमुख मार्गों से गुजरी यात्रा: चुनरी यात्रा की शुरुआत काली मंदिर से हुई इसके बाद यात्रा हनुमान मंदिर रोड, हरिहर फव्वारा, तुलसी मार्ग और अंबेडकर चौक सहित विभिन्न मार्गों से होते हुए



गनियारी के केशव नगर स्थित दुर्गा पंडाल पहुंची पूरे मार्ग में श्रद्धालु माता के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे महिलाओं और बच्चों की भागीदारी ने आयोजन को और आकर्षक बना दिया।

आस्ती के बाद श्रद्धालुओं को बांटा प्रसाद: केशव नगर स्थित दुर्गा पंडाल पहुंचने पर समिति की ओर से भव्य आस्ती की गई इसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया यात्रा में शामिल भक्तों ने माता रानी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी तैनात रहा। समिति के इस आयोजन ने क्षेत्र में धार्मिक उत्साह और सामुदायिक सहभागिता का माहौल बनाया वर्षों से जारी यह परंपरा स्थानीय श्रद्धालुओं के लिए आस्था और भक्ति का महत्वपूर्ण अवसर बन गई है।

मैहर में 19 अक्टूबर को लोक नृत्य की धूम, सांस्कृतिक कार्यक्रम के नवम दिवस पर होगा आयोजन

बन्धा बैरियर प्रांगण में शाम 6 से रात 8 बजे तक सजेगी सांस्कृतिक संध्या, जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में पत्रकार मिलन समारोह भी होगा आयोजित



आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं 19 अक्टूबर को आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), जिला पंचायत एवं आदिम जाति कल्याण विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है। इन विभागों के समन्वय से कार्यक्रम के आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। जिला प्रशासन का

प्रयास है कि सांस्कृतिक संध्या सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो और कार्यक्रम में शामिल होने वाले नागरिकों को बेहतर वातावरण मिल सके।

सांस्कृतिक संध्या में होगा पत्रकार मिलन समारोह: इस अवसर पर पत्रकार मिलन समारोह का भी आयोजन किया जाएगा। नवरात्रि मैहर मेले के दौरान मीडिया प्रतिनिधियों द्वारा

उत्साहपूर्वक सहभागिता करने और मैहर जिले की सकारात्मक छवि के निर्माण में महत्वपूर्ण सहयोग देने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है समारोह में जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति प्रस्तावित है पत्रकार मिलन समारोह के माध्यम से मीडिया प्रतिनिधियों के योगदान को

सम्मान देने और प्रशासन तथा मीडिया के बीच बेहतर संवाद एवं समन्वय को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जाएगा नवरात्रि मेले के दौरान समाचारों और सूचनाओं के माध्यम से मेले की गतिविधियों को व्यापक स्तर पर पहुंचाने में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है।

नागरिकों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील: जिला प्रशासन मैहर एवं मां शारदा देवी मंदिर प्रबंध समिति ने जिले के नागरिकों से 19 अक्टूबर को बन्धा बैरियर प्रांगण में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की है प्रशासन ने नागरिकों से लोक नृत्य की प्रस्तुतियों का आनंद लेने और सांस्कृतिक आयोजन को सफल बनाने में सहभागिता करने का आग्रह किया है मैहर में नवरात्रि मेले के दौरान आयोजित यह सांस्कृतिक कार्यक्रम धार्मिक आस्था के साथ लोक कला और स्थानीय सांस्कृतिक परंपराओं को प्रोत्साहित करने का अवसर प्रदान करेगा।

चित्रकूट दीपावली मेले में 50 लाख तक श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। दीपावली मेले और सोमवती अमावस्या के अवसर पर चित्रकूट में 45 से 50 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। संभावित भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा, यातायात, स्वास्थ्य सेवाओं और स्वच्छता की तैयारियां शुरू कर दी हैं।मैला क्षेत्र को 8 जून और 22 सेक्टर में विभाजित किया जाएगा,ताकि व्यवस्थाओं की निगरानी बेहतर ढंग से की जा सके। जलाधिकारी पुलकित गर्ग और पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने मेले की तैयारियों की समीक्षा की प्रशासन ने श्रद्धालुओं को सुविधा और सुरक्षा के लिए 42 स्थानों पर बैरियर लगाने तथा 15 पार्किंग स्थल तैयार करने की योजना बनाई है इसके

अलावा 3 खोया-पाया केंद्र और 8 एंबुलेंस तैनात रहेंगे।
सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात: मेले की सुरक्षा व्यवस्था में 16 क्षेत्राधिकारी (सीओ), 28 थाना प्रभारी (एसएसओ) और 32 निरीक्षक लगाए जाएंगे आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए 6 दमकल वाहन भी तैनात रहेंगे एडीएम न्यायिक को मैला व्यवस्था का नोडल अधिकारी बनाया जाएगा।
सफाई और सुविधाओं पर जोर: पार्किंग स्थलों पर रोशनी, पेयजल और मोबाइल शौचालय की व्यवस्था की जाएगी रामघाट पर 24 घंटे सफाईकर्मियों की तैनाती रहेगी, ताकि घाटों पर स्वच्छता बनी रहे स्वास्थ्य सेवाओं और आपातकालीन सहायता के लिए भी आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं।

सतना नगर निगम का सुपरवाइजर 2 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार, लोकायुक्त ने किया ट्रैप

मीडिया ऑडीटर,सतना (निप्र)। नगर निगम सतना में रिश्वतखोरी के मामले में लोकायुक्त रीवा की टीम ने रविवार को कार्रवाई करते हुए एक सुपरवाइजर को 2 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा आरोपी की पहचान बालकृष्ण आदिवासी (30) के रूप में हुई है जो नगर निगम सतना में सुपरवाइजर के पद पर पदस्थ है लोकायुक्त टीम आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई कर रही है।

कम हाजिरी सुधारने के लिए मांगी थी रिश्वत: लोकायुक्त कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता राजकिशोर सफुड़े (33), निवासी वाई क्रमांक 39, महात्मा गांधी वाई, सतना नगर निगम में सफाईकर्मों के रूप में कार्यरत है वह वाई क्रमांक 15 में

सफाई का काम करता है शिकायतकर्ता का आरोप था कि सितंबर माह में उसने 25 दिन काम किया था, लेकिन रजिस्टर में उसकी हाजिरी कम दर्ज की गई थी। इस संबंध में जब उसने सुपरवाइजर बालकृष्ण आदिवासी से बात की तो कथित तौर पर हाजिरी दर्ज कराने के एवज में 3 हजार रुपए की रिश्वत मांगी गई इसके बाद शिकायतकर्ता ने लोकायुक्त कार्यालय रीवा पहुंचकर पुलिस अधीक्षक के समक्ष शिकायत दर्ज कराई।

सत्यापन के बाद बिछया जात: शिकायत मिलने पर पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त योगेश्वर शर्मा के निर्देश पर शिकायत का सत्यापन कराया गया सत्यापन के दौरान आरोपी द्वारा शिकायतकर्ता से 1 हजार रुपए प्राप्त किए जाने की कार्यरत है वह वाई क्रमांक 15 में

18 अक्टूबर को लोकायुक्त टीम ने ट्रैप की योजना बनाई निर्धारित कार्रवाई के दौरान सतना में बिरला हॉस्पिटल के सामने आरोपी को शिकायतकर्ता से 2 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया कार्रवाई का नेतृत्व निरीक्षक संदीप सिंह भट्टीरिया ने किया टीम द्वारा आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

भ्रष्टाचार की लोकायत करने की अपील: लोकायुक्त ने आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की संशोधित धारा 7 के तहत प्रकरण दर्ज किया है संगठन ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी रिश्वत की मांग करता है तो लोकायुक्त कार्यालय रीवा के मोबाइल नंबर 9893607619 पर संपर्क कर शिकायत दर्ज करायें।

ट्रंप के फैसलों पर भरोसा घटा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मनमाने फैसले लेने और उन पर टिके न रहने की आदत किस तरह कायम है, इसका नया उदाहरण है उनकी यह घोषणा कि अब वे रूस से तेल खरीदने वाले भारत समेत पांच देशों पर सौ प्रतिशत टैरिफ वाले कानून पर अमल नहीं करेंगे। निःसंदेह यह घोषणा भारत को राहत देने वाली है, लेकिन इसी के साथ वह ट्रंप के अस्थिर स्वभाव के साथ उनकी मजबूरी को भी रेखांकित करने वाली है।

उनका सौ प्रतिशत टैरिफ वाला कानून मनमाना ही नहीं, वैश्विक ऊर्जा हितों को नुकसान पहुंचाने वाला भी था। वे इस कानून को लागू करने से इसलिए पीछे हटने को बाध्य हुए कि अमेरिका ने खुद रूस से डीजल खरीदने का निर्णय ले लिया। इसके बाद यदि वे इस कानून पर अमल करते तो जगहंसाई के पात्र बनते और उनके दोहरे मानदंडों की पोल खुलती। यही नहीं, यदि वे इस कानून को लागू कर देते तो भारत से व्यापार समझौते की संभावना न्यून कर लेते,

जिनके तात्कालिक असर से या तो उनके स्वजन या फिर उनके करीबियों के आर्थिक हित पूरे होते हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि उनके कई फैसले दुनिया भर के शेयर बाजारों पर असर डालते हैं। इसका लाभ ट्रंप स्वयं अथवा उनके करीबी उठाते हैं। ट्रंप मूलतः एक कारोबारी हैं और यह केवल विश्व समुदाय की धारणा नहीं कि वे निजी वित्तीय हितों के लिए

अपने पद का अनुचित इस्तेमाल कर रहे हैं। एक सर्वेक्षण के अनुसार 50 प्रतिशत से अधिक अमेरिकी नागरिक भी यह मान रहे हैं कि ट्रंप अमेरिका से ज्यादा खुद के वित्तीय हितों को प्राथमिकता दे रहे हैं। इनमें उनकी पार्टी रिपब्लिकन के भी समर्थक हैं। तथ्य यह भी है कि उन्होंने दोबारा राष्ट्रपति बनने पर अपने परिवार के कारोबारी सौदों पर लगी पाबंदियां हटाईं और बेटे के स्वाभिम्व वाली कंपनी के जरिये क्रिप्टो कारोबार

सत्ता परिवर्तन का रास्ता भीड़तंत्र नहीं, जनमत-लोकतंत्र से सौम्य वार्षण्य

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं, बल्कि विविधताओं, सहिष्णुता, शांति और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए पहचाना जाने वाला देश भी है। यहां सत्ता परिवर्तन का अधिकार जनता को प्राप्त है और यही अधिकार भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। लेकिन जब देश में सत्ता परिवर्तन को लेकर बांग्लादेश जैसे घटनाक्रम का उदाहरण दिया जाता है या रिजीम चेंज अर्थात शासन व्यवस्था को बदलने की बात कही जाती है, तो इस विषय पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक हो जाता है। भारत जैसे विशाल और परिपक्व लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन का रास्ता संवैधानिक व्यवस्था, जनमत और शांतिपूर्ण आंदोलनों से होकर गुजरना चाहिए, न कि भीड़ के दबाव अथवा अराजकता से।

हाल के दिनों में विपक्ष पर भारत में भी बांग्लादेश की तर्ज पर सत्ता परिवर्तन की कोशिश करने के आरोप लगाए गए हैं। वरिष्ठ अधिकता प्रशांत भूषण के संदर्भ में भी रिजीम चेंज की बहस सामने आई है। ऐसे बयानों और आरोपों का मूल्यांकन राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठकर किया जाना चाहिए। किसी व्यक्ति के बयान का वास्तविक अर्थ उसके पूरे संदर्भ में समझना जरूरी है। केवल किसी शब्द के आधार पर किसी व्यक्ति या पूरे विपक्ष की मंशा पर अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। फिर भी, यदि सत्ता परिवर्तन का आशय संवैधानिक प्रक्रिया से बाहर जाकर सरकार को हटाने या व्यवस्था को अस्थिर करने से है, तो ऐसी सौ स्वस्थ लोकतंत्र के लिए निश्चित रूप से चिंताजनक है। भारत और बांग्लादेश की राजनीतिक, सामाजिक तथा संवैधानिक परिस्थितियों में अंतर है। भारत में नियमित चुनाव, स्वतंत्र न्यायपालिका, निर्वाचन आयोग, संसद, राज्य विधानसभाएं और संवैधानिक संस्थाएं सत्ता परिवर्तन के स्थापित माध्यम हैं। इन संस्थाओं की मजबूती ही लोकतंत्र की स्थिरता सुनिश्चित करती है। किसी दूसरे देश में हुए राजनीतिक घटनाक्रम को भारत में दोहराने की कल्पना करना न तो आवश्यक है और न ही भारतीय लोकतंत्र की मूल भावना के अनुरूप। भारत की पहचान शांति, सहिष्णुता और संवाद की परंपरा से रही है। यहां सत्ता किसी व्यक्ति, दल या संगठन की स्थायी संपत्ति नहीं है। सरकारें आती-जाती हैं, लेकिन देश और उसकी संवैधानिक व्यवस्था सर्वोपरि रहती है। इसलिए किसी भी राजनीतिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए ऐसी परिस्थितियां पैदा करना, जिनसे सामाजिक तनाव, हिंसा या संस्थागत अस्थिरता बढ़े, देशहित में नहीं हो सकता। लोकतंत्र और भीड़तंत्र के बीच स्पष्ट अंतर है। लोकतंत्र में जनता की आवाज सुनी जाती है, असहमति का सम्मान होता है और निर्णय कानून तथा संवैधानिक प्रक्रियाओं के अनुसार लिए जाते हैं। इसके विपरीत, भीड़तंत्र में संख्या और दबाव के बल पर निर्णय थोपने की प्रवृत्ति पैदा हो सकती है। यदि किसी सरकार को हटाने के लिए सड़कों पर भीड़ जुटाकर संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव बनाने या कानून-व्यवस्था को बाधित करने का रास्ता अपनाया जाए, तो यह लोकतांत्रिक परंपराओं को कमजोर कर सकता है। हालांकि, इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि जनता को आंदोलन करने या सरकार का विरोध करने का अधिकार नहीं होना चाहिए। शांतिपूर्ण विरोध, धरना, प्रदर्शन, जनसभाएं और जनजागरण लोकतंत्र के महत्वपूर्ण अंग हैं। जब जनता किसी नीति, निर्णय या शासन के तरीके से असंतुष्ट होती है, तो उसे अपनी आवाज उठाने का पूरा अधिकार है। आवश्यक यह है कि आंदोलन शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और संवैधानिक दायरे में रहे।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है। यदि जनता किसी सरकार से संतुष्ट नहीं है, तो उसके पास चुनाव में अपना मत देकर सरकार बदलने का अधिकार है। यही लोकतांत्रिक व्यवस्था का सबसे प्रभावी और वैध माध्यम है। किसी सरकार की लोकप्रियता का आकलन नारों, सोशल मीडिया अभियानों या भीड़ के आकार से नहीं, बल्कि व्यापक जनमत और चुनावी प्रक्रिया से किया जाना चाहिए। यदि किसी सरकार की नीतियां जनविरोधी हैं, जनता की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरती या शासन में गंभीर कमियां दिखाई देती हैं, तो विपक्ष का दायित्व है कि वह इन मुद्दों को जनता के सामने रखे। उसे वैकल्पिक नीतियां प्रस्तुत करनी चाहिए, सरकार से जवाब मांगना चाहिए और लोकतांत्रिक तरीके से जनसमर्थन हासिल करना चाहिए। यदि जनता विपक्ष के विचारों से सहमत होती है, तो वह चुनाव में उसे सत्ता सौंप सकती है। इसमें न कोई असामान्यता है और न ही किसी प्रकार की अस्थिरता; यही लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया है।

किशन समुखदास भावनानी

मैं एडवोकेट किशन समुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि केंद्र सरकार ने 15 अक्टूबर की देर तर जारी आदेश के माध्यम से 16 अक्टूबर 2026 से पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क 0.50 रूपए से बढ़ाकर 2.50 रूपए प्रति लीटर कर दिया, जबकि डीजल पर लगने वाला शुल्क 16 रूपए से घटकर 8.50 रूपए प्रति लीटर कर दिया गया। याने पेट्रोल पर शुल्क बढ़ाकर पांच गुना हुआ, लेकिन डीजल पर 7.50 रूपए प्रति लीटर की कटौती हुई। सवाल है कि इस विरोधाभासी फैसले के पीछे क्या अर्थशास्त्र है, विंडफॉल टैक्स अस्थिर क्या है और क्या इससे आम आदमी को राहत मिलेगी? इन सब बातों को हम नीचे सटीकता से पैराग्राफ वॉइस समझने की कोशिश करेंगे।

साधियों बात अगर हम सऊदी अरब पर हूती हमले: क्या दुनिया के तेल बाजार पर मंडा रहा है संकट? इसको समझने की करें तो, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने ऊर्जा आपूर्ति को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। यमन के हूती संगठन और सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के बीच तनाव बढ़ने के साथ मिसाइलों और ड्रोन हमलों की खबरें सामने आई हैं। 15 अक्टूबर की रिपोर्टों के अनुसार, यमन के अंदन स्थित अल-मआशिक राष्ट्रपति परिसर के आसपास भी हमला हुआ। यहां एक महत्वपूर्ण तथ्य स्पष्ट करना जरूरी है कि राष्ट्रपति भवन पर हमले की रिपोर्ट यमन के राष्ट्रपति परिसर से संबंधित है, न कि सऊदी अरब के राष्ट्रपति भवन से। वहाँ, सऊदी अरब में हवाई अड्डों और सामरिक प्रतिष्ठानों पर हमलों तथा तेल सुविधाओं को लेकर खतरे की खबरें ने सुरक्षा चिंताएं बढ़ाई हैं। इस संकट का आर्थिक महत्व इसलिए अधिक है, क्योंकि सऊदी अरब वैश्विक तेल आपूर्ति का प्रमुख केंद्र है। यदि तेल उत्पादन, रिफाइनरी संचालन, बंदरगाहों या समुद्री परिवहन में लंबे समय तक बाधा आती है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। विशेष रूप से होमुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने पर संकट और गंभीर हो सकता है। हालांकि, हमलों की खबरों का अर्थ यह नहीं है कि सऊदी अरब का पूरा तेल उत्पादन बंद हो गया है या दुनिया में तेल की तत्काल भारी कमी निश्चित है। वास्तविक असर हमलों की अवधि, क्षतिग्रस्त प्रतिष्ठानों, वैकल्पिक आपूर्ति और तेल भंडारों पर निर्भर करेगा।भारत के लिए यह चुनौती इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि देश अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। तेल महंगे होने पर आयात बिल, रुपये की विनिमय दर, परिवहन लागत और महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है।इसी पृष्ठभूमि में निर्यात शुल्क की नीति को सटीकता से समझना आवश्यक है।

साधियों बात अगर हम विंडफॉल टैक्स क्या है? आसान भाषा में समझने के लिए,विंडफॉल टैक्स का सामान्य अर्थ है असाधारण परिस्थितियों में कंपनियों को होनेवाले अप्रत्याशित अतिरिक्त मुनाफेपर लगाना जाने वाला कर। उदाहरण के लिए, युद्ध या आपूर्ति संकट के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें तेजी से बढ़ जाएं और किसी कंपनी को सामान्य परिस्थितियों की तुलना में बहुत अधिक लाभ मिलने लगे, तो सरकार उस अतिरिक्त लाभ के एक हिस्से पर कर लगाने का निर्णय ले सकती है।लेकिन भारत के मौजूदा मामले में तकनीकी अंतर समझना जरूरी है। पेट्रोल और डीजल के निर्यात पर लागू शुल्क को समाचारों में विंडफॉल टैक्स कहा जा रहा है,

संपादकीय

जबकि इसे विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क तथा अन्य लागू उल्करों के माध्यम से निर्धारित किया जाता है। यह जरूरी नहीं कि प्रत्येक कंपनी के वास्तविक अतिरिक्त मुनाफे की गणना करके ही प्रति लीटर शुल्क लगाया जाए। वर्तमान व्यवस्था में निर्यात पर निर्धारित दर लागू होती है। सरल उदाहरण से समझिए,यदि कोई रिफाइनरी घरेलू बाजार में बेचने के बजाय विदेश में पेट्रोल बेचकर अधिक कमाई कर सकती है, तो सरकार निर्यात पर शुल्क बढ़ाकर उस वित्कल्प को कुछ महंगा बना सकती है। इससे घरेलू बिज्री और निर्यात के बीच आर्थिक संतुलनप्रभावित हो सकता है। हालांकि, केवल

कीमतें बहुत आकर्षक हों, तो कंपनियों के लिए निर्यात करना अधिक लाभकारी हो सकता है। निर्यात शुल्क इस लाभ को प्रभावित करके घरेलू आपूर्ति बनाए रखने के सरकारी प्रयास का हिस्सा बन सकता है। हालांकि, आपूर्ति पर इसका वास्तविक प्रभाव बाजार की परिस्थितियों पर निर्भर करता है।दूसरा उद्देश्य है सरकारी राजस्व और सार्वजनिक खर्च। अतिरिक्त शुल्क से सरकार को राजस्व मिल सकता है, जिसे व्यापक बजटीय संसाधनों के हिस्से के रूप में सार्वजनिक सेवाओं और कल्याणकारी योजनाओं के वित्तपोषण में इस्तेमाल किया जा सकता है। लेकिन यह



शुल्क बढ़ाने से कंपनियां अनिवार्य रूप से सारा इंधन घरेलू बाजार में बेचेगी,इसकी गारंटी नहीं होती; इसके लिए मांग, उत्पादन क्षमता, निर्यात अनुबंध और अन्य नियम भी महत्वपूर्ण हैं। साधियों बात अगर हम 16 अक्टूबर से लागू नई दरों को समझने की करें तो पेट्रोल पर पांच गुना बढ़ावरी, डीजल पर कटौती, केंद्र सरकार के नए आदेश के अनुसार पेट्रोल और डीजल के निर्यात शुल्क में अलग-अलग बदलाव किए गए हैं। विवरण युरानी दर नई दरपेट्रोल निर्यात शुल्क 0.50 रूपए /लीटर 2.50/रूपए लीटर डीजल निर्यात शुल्क 16 /रूपए लीटर 8.50 रूपए / लीटर डीजल शुल्क मेंकमी - 7.50रूपए /लीटर इसका अर्थ है कि पेट्रोल पर शुल्क में 22 प्रति लीटर की वृद्धि हुई है, जबकि डीजल पर 77.50 प्रति लीटर की कटौती की गई है। इसलिए इसे केवल कर बढ़ाने का फैसला कहना सही नहीं होगा; यह दोनों ईंधनों के लिए अलग-अलग दिशा में किया गया नीतिगत बदलाव है।पेट्रोल का शुल्क बढ़ने से विदेश में पेट्रोल बेचने की लागत बढ़ सकती है। दूसरी ओर, डीजल पर शुल्क घटने से उसके निर्यात पर पड़ने वाला कर-भार कम होगा। सरकार को आदेश में दोनों दरों में बदलाव किया गया है, लेकिन केवल इस आधार पर यह निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए कि सरकार ने पेट्रोल की घरेलू कमी की पुष्टि कर दी है या डीजल की आपूर्ति सटीकता से पूरी तरह सुरक्षित हो गई है।

साधियों बात अगर हम सरकार विंडफॉल टैक्स क्यों लगाती है? तीन प्रमुख उद्देश्य को समझने की करें तो पहला उद्देश्य है घरेलू ऊर्जा सुरक्षा। यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में

जाएगा। यह सरकार के निर्णय और लागू अधिसूचना पर निर्भर करता है।दुनिया के अन्य देशों ने भी ऊर्जा संकट के समय असाधारण लाभ पर कर लगाने के विभिन्न तरीके अपनाए हैं। उदाहरण के लिए, ब्रिटेन ने 2022 में तेल और गैस कंपनियों के असाधारण लाभ पर ऊर्जा लाभ लेवी लागू की थी। यूरोपीय संघ ने भी ऊर्जा क्षेत्र के कुछ अतिरिक्त लाभों पर अस्थायी योगदान की व्यवस्था की थी। इन नीतियों की दरें, कानूनी आधार और लागू क्षेत्र सटीकता से भारत की व्यवस्था से अलग हैं। साधियों बात अगर हम क्या आम आदमी की जेब पर पड़ेगा असर? इसको समझने की करें तो सरकार के इस बदलाव का सीधा दायरा निर्यात शुल्क है, घरेलू पेट्रोल पंपों पर बेचे जाने वाले पेट्रोल और डीजल की कीमतों में स्वतः बदलाव नहीं। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, घरेलू खपत के लिए लागू मौजूदा शुल्क दरों में इस आदेश से परिवर्तन नहीं किया गया है। इसलिए 16 अक्टूबर को निर्यात शुल्क बढ़ने का मतलब यह नहीं है कि आम नागरिक को पेट्रोल खरीदते समय तत्काल 2.50 रूपए अतिरिक्त देना पड़ेगा। इसी तरह डीजल निर्यात शुल्क घटने का अर्थ यह भी नहीं है कि पेट्रोल पंप पर डीजल 7.50 रूपए सस्ता हो जाएगा।फिर भी अप्रत्यक्ष प्रभाव संभव हैं। यदि वैश्विक तेल कीमतें लंबे समय तक ऊंची रहती हैं, तो परिवहन, माल ढुलाई, विनिर्माण और खाद्य वस्तुओं की लागत पर दबाव पड़ सकता है। इसके विपरीत,यदि घरेलू आपूर्ति स्थिर रहती है औरअंतरराष्ट्रीय कीमतें घटती हैं,तो अर्थव्यवस्था को राहत मिल सकती है। अंतिम असर कर नीति के साथ-साथ कच्चे तेल की कीमत, रुपये की स्थिति, रिफाइनरी लागत और घरेलू मूल्य निर्धारण पर निर्भर करेगा। साधियों बात अगर हम सऊदी अरब में उड़ानों पर रोक: युद्ध का असर हवाई यातायात तक को समझने की करें तो क्षेत्रीय सुरक्षा संकट का प्रभाव हवाई यातायात पर भी दिखाई दे रहा है।16 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, एयर इंडिया ने रियाद,दम्माम और जेद्दा से आने-जाने वाली उड़ानों का निलंबन 20 अक्टूबर 2026 तक बढ़ाया है। इंडिगो और अकासा एयर ने भी कुछ सऊदी मार्गों पर 17 अक्टूबर तक उड़ानों के निलंबन या रद्दीकरण की घोषणा की है। अन्य अंतरराष्ट्रीय विमानन कंपनियों ने भी अपनी उड़ानों के कार्यक्रम बदले हैं। यह अंतर समझना महत्वपूर्ण है कि ये संबंधित एयरलाइनों द्वारा सुरक्षा परिस्थितियों को देखते हुए लिए गए परिचालन निर्णय हैं; इन्हें भारत सरकार द्वारा सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर लगाई गई एक समान रोक कहना सही नहीं होगा।यात्रियों को हवाई अड्डे के लिए निकलने से पहले अपनी एयरलाइन से उड़ान की स्थिति की सटीकता से पुष्टि करनी चाहिए।

अतः अगर हम अग्रोच पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि तेल की हर वृद्धि अब अर्थव्यवस्था और सुरक्षा से जुड़ी है,आज की वैश्विक परिस्थितियां भारत को ऊर्जा सुरक्षा,व्यापारिक लाभ और आम नागरिक के हितों के बीच संतुलन बनाने की चुनौती दे रही हैं। पेट्रोल निर्यात शुल्क में पांच गुना वृद्धि और डीजल शुल्क में 7.50रूपए प्रति लीटर की कटौती इसी बदलते आर्थिक परिदृश्य का हिस्सा है।विंडफॉल टैक्स या निर्यात शुल्क अपने आप में न तो तेल संकट का पूर्ण समाधान है और न ही महंगाई से सुरक्षा की गारंटी। इसका महत्व इस बात में है कि सरकार बदलती परिस्थितियों में निर्यात और घरेलू जरूरतों के बीच संतुलन बनाने के लिए एक नीतिगत साधन इस्तेमाल कर रही है।

अत्याचार व तानाशाही:सत्ता परिवर्तन के लक्षण

इन दिनों जहाँ देश के विभिन्न भागों में अनेक मुद्दों पर होने वाले आन्दोलनों का विस्तार होता जा रहा है वहीं इन आंदोलनों के बीच सरकार की ओर से भी विपक्ष को कोई न कोई ऐसे नये मुद्दे परसे दिए जाते हैं जिससे आंदोलन की आग शांत होने के बजाये और भी भड़क उठती है । उसके बाद जब विपक्ष इन मुद्दों को लपकता है तो सत्ताधारी यह विलाप करने लगते हैं कि विपक्ष यह सब कुछ केवल सत्ता हारसिल करने के लिए कर रहा है । आज के सत्ताधारी यह भूल जाते हैं कि गुजरात से लेकर दिल्ली तक की सत्ता में आने के लिए इन्होंने अस्थिर कौन से हथकण्डे नहीं अपनाये ।

तनवीर जाफ़री

साम्प्रदायिक धुवीकरण,दंगे फ़साद,जातिवाद,लोभ लालच,यू पी ए की सरकार को बदनाम करने के लिये उनपर झूठे आरोप मढ़ना ,देश की जनता से झूठे वादे करना, कभी महंगाई को लेकर तो कभी भ्रष्टाचार को लेकर संसद से लेकर सड़कों तक जमकर हंगामा करना,संसद को चलने में बाधा डालना, अन्ना आंदोलन का पिछले दरवाजे से समर्थन कर सत्ता झटकने का षडयंत्र रचना,कांग्रेस व पार्टी के अनेक बड़े नेताओं को बदनाम करना व उनपर झूठे लांछन लगाना, चंद पूंजीपतियों से साठ गौंट कर चुनावी लाभ लेना आदि क्या नहीं किया गया यू पी ए से सत्ता लेने के लिये। मनमोहन सिंह जैसे विश्व स्तरीय नेता व कांग्रेस नेताओं जवाहरलाल नेहरू से लेकर सोनिया गाँधी व राहुल गाँधी तक के लिये कैसी कैसी घटिया बातें की गयीं। परन्तु जब आज देश इनकी हकीकत समझ चुका है,इनके शासनकाल में देश के युवाओं,आम लोगों व महिलाओं को अपना भविष्य असुरक्षित नजर आ रहा है और वही वर्ग किसी न किसी जायज़ मांग को लेकर आंदोलनरत है और विपक्ष खासकर कांग्रेस व इण्डिया गठबंधन उन आंदोलनों को समर्थन दे रहा है तो इन्हीं सत्ताधारियों को तकलीफ़ हो रही है। आज अगर प्रशांत भूषण जैसे व्यक्ति के मुँह से एक पत्रकार सम्मलेन में यह निकलता है कि हम 'रेजिम चेंज' यानी सत्ता परिवर्तन चाहते हैं तो इन्हें यह शब्द इतने बुरे लगे कि हंगामा बरपा कर दिया।

भाजपा ने आरोप लगाया कि प्रशांत भूषण के इस बयान से साफ़ हो गया है कि राहुल गांधी का पूरा इको सिस्टम देश में अराजकता फैलाने और लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने की साजिश में लगा हुआ है। तथा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इस बयान ने प्रदर्शनकारियों और विपक्ष के असली एजेंडे को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है। सत्ताधारियों की तरफ से आये इसतरफ़ के बयान के बाद सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर भी तीखी बहस छिड़ गई और सरकार के समर्थकों द्वारा India Needs Modi जैसे हैशटैग टैंड कराये जाने लगे। परन्तु जब नरेंद्र मोदी जनसभा में यू पी ए की सत्ता उखाड़ फेंकने के लिये जनता को उकसाये तो कोई बात नहीं ? या मोदी जब कांग्रेस मुक्त भारत की बात करें तो वह सब ठीक है ?



जिस सरकार के सुबूत पेश किये जा रहे हैं,चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा किया जा रहा है। ऐसे में सत्ता तो भ्रष्ट चुनाव आयोग के समर्थन में खड़ी हो जाये परन्तु यदि विपक्ष कुछ बोले या सत्ता व चुनाव आयोग नेटवर्क को बेनकाब करे तो कहा जाये कि यह विपक्ष सत्ता हासिल करने के लिए कर रहा है या विपक्ष अराजकता फैला रहा है? एस आई आर के बहाने 13 करोड़ से अधिक लोगों के नाम मतदाता सूची से काट दिये जायें और विपक्ष तालियां बजाता रहे, यह आखिर कैसे हो सकता है? सत्ता समर्थक

गुंडे बदमाश सादे लिबास में या बिना पहचान की पुलिस की वदी में प्रदर्शनकारियों को पीटे अपमानित करें बहनों की इज्जत से खिलवाड़ करें और विपक्ष खामोश रहे ? यह कैसे संभव है। धरने प्रदर्शन से भयभीत सरकार, विरोध प्रदर्शनों को सत्ता के दरवाजे यानी जंतर मंतर से दूर करने की साजिश करे और सरकार जंतर मंतर पर प्रदर्शन प्रबंधित कर दे परन्तु विपक्ष कुछ न बोले यह कैसे हो सकता है ? दिल्ली का जंतर-मंतर ही नहीं बल्कि लंदन का पार्लियामेंट स्क्वायर या अमेरिका का ला फ़ायेट स्क्वायर तथा और भी दर्जनों लोकतांत्रिक देशों में प्रदर्शन स्थल सत्ता के केंद्र से बिलकुल बरीद इसी लिये बनाये जाते हैं ताकि वहां लोग इकट्ठा होकर अपने हक की बात करते हुये सत्ता के खिलाफ अपना विरोध दर्ज करा सकें। और सरकार ने बेशर्मी की हद तो पिछले दिनों उस समय पर कर दी जबकि उसने आए एस एस के एक नेता दुष्यंत कुमार गौतम की सिक्किम के राज्यपाल पद पर नियुक्ति कर डली। यह दुष्यंत कुमार गौतम वह भी व्यक्ति है जिसका नाम 2022 में उत्तराखंड की बेटी अकिता भंडारी की हत्या के मामले में उस वी आठ पी के रूप में सामने आया था जिसके साथ रात गुजारने से अकिता भंडारी ने इंकार कर दिया था। जिसके बाद

उसकी लाश एक नहर में फंसी हुई मिली थी। इसी मामले में बीजेपी नेता विनोद आर्य के बेटे पुलिस आर्य को उग्र कैद भी हुई थी । हालांकि पुलिस ने तो वी आई पी के रूप में किसी का नाम उजागर नहीं किया परन्तु स्वयं बीजेपी के अपने नेताओं ने ही पिछले साल दुष्यंत गौतम का नाम उजागर कर दिया। उस समय यानी पूरे उत्तराखंड में जता सड़कों पर उतर आई थी। उसी समय यानी जनवरी 2026 में सी बी आई जांच की घोषणा की गई। लेकिन दस महीने बाद भी जांच आगे नहीं बढ़ी। बल्कि 12 अक्टूबर को दुष्यंत गौतम को सिक्किम का राज्यपाल बना कर जाँच के दायरे से बाहर कर दिया। क्योंकि राज्यपाल को संवैधानिक प्रतिरक्षा प्राप्त होती है और सी बी आई या एस आई टी उनसे पूछताछ नहीं कर सकती है। लिहाजा उसे राज्यपाल बनाने के लिए गुं महंजालय और आई बी ने दुष्यंत गौतम को चुपचाप क्लोन फिट भी दे दी। अकिता भंडारी के गरीब व दुखी मां बाप सरकार इसी लिये बनाये जाते हैं ताकि उसकी बेटी की हत्या का मुख्य कारण बने व्यक्ति को राज्यपाल कैसे बना दिया गया ? सिक्किम के लोग भी उसे गवर्नर बनाये जाने का विरोध करते हुए सड़कों पर उतरे हुए हैं। परन्तु पुलिस ने पूरी मुस्तेदी दिखते हुये अकिता के मां बाप को इण्डिया गेट से सुबह 4 बजे गिरफ्तार कर लिया। क्या उस पीड़ित परिवार के साथ कांग्रेस का या राहुल प्रियंका या अन्य कई सामाजिक कार्यकर्ताओं का खड़े होना गुनाह है ? दरअसल सत्ता की ओर से किये जा रहे इस तरह के अत्याचार और तानाशाही अपने आप में सत्ता परिवर्तन के ही लक्षण है।

बिलासपुर में दो DFO ने खुद चलाई आरा मशीन, कर्मचारियों को सिखाए वैज्ञानिक तरीके

करगीखुर्द में काष्ठ विदोहन का प्रशिक्षण पेड़ कटाई से लड़ा निर्माण तक सुरक्षा मानकों और तकनीकी नियमों के पालन पर दिया जोर

मीडिया ऑडिटर, बिलासपुर (निप्र)। वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने दफ्तरों तक सीमित रहने के बजाय मैदान में उतरकर कर्मचारियों को काम करने की तकनीक सिखाई। छत्तीसगढ़ के करगीखुर्द में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मरवाही वनमंडल के छरह कुमार निशांत और सुंगेली वनमंडल के छरह तन्मय कौशिक ने स्वयं आरा मशीन चलाकर वृक्ष विदोहन और लट्ठा निर्माण की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने कर्मचारियों को सुरक्षित और वैज्ञानिक तरीके से काम करने के तरीके समझाए वन विभाग के काष्ठ विदोहन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत शनिवार को खोडरी वन परिक्षेत्र के करगीखुर्द परिसर में एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बिलासपुर के मुख्य वन संरक्षक मनोज पांडेय सहित मरवाही, बिलासपुर और मुंगेली वनमंडल के अधिकारी-



कर्मचारी तथा स्थानीय ग्रामीण शामिल हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य काष्ठ विदोहन की प्रक्रिया को व्यवस्थित, वैज्ञानिक और सुरक्षित तरीके से संपन्न करने के लिए मैदानी कर्मचारियों की तकनीकी दक्षता बढ़ाना था पेड़ कटाई से लट्ठा बनाने तक समझाई तकनीक प्रशिक्षण के दौरान दोनों छरह ने स्वयं आरा मशीन चलाकर कर्मचारियों को पेड़ काटने और लकड़ी के लट्ठे तैयार

करने की प्रक्रिया दिखाई उन्होंने बताया कि इस तरह के कार्य में केवल मशीन चलाने का अनुभव पर्याप्त नहीं है बल्कि तकनीकी नियमों, सावधानियों और निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करना भी जरूरी है पेड़ काटने से लेकर लट्ठों के निर्माण तक प्रत्येक चरण में सही पद्धति अपनाने पर जोर दिया गया अधिकारियों के प्रत्यक्ष प्रदर्शन से कर्मचारियों को वास्तविक परिस्थितियों में काम

करने की तकनीक समझने का अवसर मिला प्रशिक्षण में व्यावहारिक जानकारी के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि कार्य की गुणवत्ता और कर्मचारियों की सुरक्षा दोनों को समान प्राथमिकता दी जानी चाहिए जल्दबाजी से बचने और सुरक्षा को प्राथमिकता देने की सीख कार्यक्रम में मशीनों के उपयोग और जोखिम वाले कार्यों के दौरान सावधानी बरतने का संदेश दिया गया। अधिकारियों



ने समझाया कि जल्दबाजी में काम करने के बजाय निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना जरूरी है वैज्ञानिक तरीके से काष्ठ विदोहन करने से काम को व्यवस्थित ढंग से पूरा करने और संभावित जोखिमों से बचाव में मदद मिलती है उदाहरण प्रस्तुत कर दिया नेतृत्व का संदेश करगीखुर्द में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वयं मशीन चलाकर यह संदेश दिया कि

नेतृत्व का अर्थ केवल निर्देश देना नहीं, बल्कि अपने अनुभव और व्यवहार से कर्मचारियों को काम सिखाना भी है प्रशिक्षण के जरिए मैदानी अमले को तकनीकी जानकारी के साथ प्रत्यक्ष अनुभव उपलब्ध कराया गया वन विभाग की इस पहल को कर्मचारियों की कार्यक्षमता बढ़ाने और सुरक्षित कार्यप्रणाली को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अनूपपुर गर्ल्स कॉलेज को 86.57 लाख रुपए का अतिरिक्त बजट मंजूर



मीडिया ऑडिटर, अनूपपुर (निप्र)। जिले के शासकीय कन्या महाविद्यालय का नया भवन लगभग तैयार हो गया है बिजली पानी और पहुंच मार्ग जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए शासन ने 86.57 लाख रुपए का अतिरिक्त बजट मंजूर किया है इससे परियोजना की कुल लागत बढ़कर 5 करोड़ 20 लाख 57 हजार रुपए हो गई है अधिकारियों के अनुसार, शेष कार्य अगले दो महीने में पूरे कते का लक्ष्य है नए बजट से कॉलेज परिसर में ट्रंसफरमर लगाने निर्मिशिंग, पहुंच मार्ग निर्माण और पानी की आपूर्ति के लिए मोटर पंप स्थापित कते जैसे कार्य किए जाएंगे कॉलेज प्राचार्य अनिल सक्सेना के मुताबिक भवन का मुख्य निर्माण पूरा

हो चुका है लेकिन जरूरी सुविधाओं के अभाव में इसे अभी शुरू नहीं किया जा सका है कन्या महाविद्यालय भवन का निर्माण 26 सितंबर 2023 को शुरू हुआ था इसे मार्च 2025 तक पूरा कते का लक्ष्य निर्धारित किया गया था लेकिन बजट की कमी के कारण काम में देरी हुई अब अतिरिक्त राशि स्वीकृत होने से शेष कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है वर्तमान में कॉलेज की कक्षाएं सीमित जगह में संचालित हो रही हैं करीब 150 छात्राओं की पढ़ाई एक बड़े हॉल और तीन छोटे कमरों में हो रही है वहीं 9 प्रोफेसर और 8 अन्य कर्मचारी भी पर्याप्त जगह और दफ्तरी सुविधाओं के अभाव में परेशानियों का सामना कर रहे हैं।

तीन दिवसीय एमसीबी ग्रांड गरबा उत्सव का समापन

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल हुए शामिल, पारंपरिक परिधानों में सजे प्रतिभागियों ने दी रंगारंग प्रस्तुतियां



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। नवरात्रि पर्व के अवसर पर मनेंद्रगढ़ में आयोजित तीन दिवसीय एमसीबी ग्रांड गरबा उत्सव का समापन भक्ति, उल्लास और उत्साह के साथ हुआ उत्सव के अंतिम दिन प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल भी शामिल हुए आयोजन में पारंपरिक परिधानों में सजे प्रतिभागियों ने गरबा की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। तीन दिनों तक चले इस उत्सव में लोगों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की मां दुर्गा की आरती के साथ हुई

शुरुआत उत्सव के अंतिम दिन कार्यक्रम की शुरुआत मां दुर्गा की आरती और पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद गरबा प्रस्तुतियों का सिलसिला शुरू हुआ। पारंपरिक वेशभूषा में सजे प्रतिभागियों ने संगीत की धुन पर गरबा किया। उनकी प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। आयोजन स्थल पर भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने प्रस्तुतियों का आनंद लेते हुए प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की उपस्थिति ने

कार्यक्रम को विशेष बनाया उत्सव के माध्यम से नवरात्रि पर्व की धार्मिक आस्था के साथ भारतीय लोक संस्कृति की झलक भी देखने को मिली भारतीय संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देने की पहल एमसीबी ग्रांड गरबा उत्सव का उद्देश्य नवरात्रि को सामूहिक रूप से मनाने के साथ भारतीय संस्कृति और पारंपरिक लोकनृत्य को प्रोत्साहित करना रहा गरबा जैसे पारंपरिक नृत्य धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक मेल-मिलाप और सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूत करते हैं आयोजकों की इस पहल

से लोगों को एक मंच पर एकत्र होकर पर्व मनाने का अवसर मिलाऐसे कार्यक्रम नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं से परिचित कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तीन दिनों तक छाया रहा उत्साह तीन दिवसीय आयोजन के दौरान गरबा प्रस्तुतियों और धार्मिक गतिविधियों के माध्यम से उत्सव का माहौल बना रहा समापन अवसर पर भी प्रतिभागियों का उत्साह देखने लायक रहा आयोजन ने नवरात्रि की भक्ति, पारंपरिक लोककला और सामाजिक एकता का संदेश दिया।



नर्मदापुरम में बारिश की कमी से जलसंकट के आसार, तवा डैम 87' भरा मूंग की सिंचाई पर संकट कोटे से 21 इंच कम हुई बारिश, गेहूं-चना के लिए तीन पानी मिलने की उम्मीद 21 अक्टूबर की बैठक में तय होगी नहरों में पानी छोड़ने की तारीख

मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में इस वर्ष सामान्य से कम बारिश होने का असर जलस्रोतों पर दिखाई देने लगा है बारिश का कोटा 21 इंच कम रहने से तवा डैम सहित छोटे जलाशय और तालाब पूरी क्षमता से नहीं भर पाए हैं इससे आगामी रबी सीजन में सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता को लेकर खोटे जलशाय हैं हालांकि तवा डैम की नहरों पर निर्भर किसानों को गेहूं और चने की फसल के लिए पलेवा सहित तीन बार पानी मिलने की उम्मीद है, लेकिन गमी की मूंग फसल के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध करना चुनौतीपूर्ण होगा जल संसाधन



विभाग के अनुसार, तवा डैम में वर्तमान में 1705 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीएम) पानी उपलब्ध है। डैम अपनी अधिकतम क्षमता के मुकाबले 87 प्रतिशत ही भर पाया है रबी सीजन में सिंचाई के लिए सामान्यतः 1100

जलाशयों में से चार ही पूरी तरह भरे जिले में तवा डैम के अलावा केसला, पिपरिया और बनखेड़ी क्षेत्र के 14 छोटे डैम व तालाबों में से केवल चार पूरी तरह भर पाए हैं सात जलाशयों में 50 से 80 प्रतिशत तक पानी है जबकि तीन में जलस्तर 50 प्रतिशत से भी कम है इन जलस्रोतों पर निर्भर किसानों को गेहूं और चने के लिए पलेवा सहित केवल एक बार पानी मिलने की संभावना है 21 अक्टूबर को होगा फैसला तवा डैम का वर्तमान जलस्तर 1162 फीट है जबकि अधिकतम स्तर 1166 फीट है इस सीजन में डैम के गेट भी नहीं खोले गए हैं।

एमसीएम पानी की जरूरत होती है लेकिन इस बार सितंबर से बारिश बंद होने के कारण मांग बढ़कर करीब 1200 एमसीएम पानी का अनुमान है ऐसे में गमी की मूंग फसल के लिए पानी का प्रबंधन करना मुश्किल हो सकता है 14

बैराड़ पुलिस ने बाइक चोर गिरोह का किया पर्दाफाश, 8 लाख की 7 मोटरसाइकिलें बरामद

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले की बैराड़ थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए एक आरोपी और एक नाबालिग को पकड़ा है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर करीब 8 लाख रुपए कीमत की सात मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। इनमें दो बाइक आरोपियों के पास से और पांच महादेव घाटी के जंगल से मिली हैं पुलिस के अनुसार, 17 अक्टूबर की शाम मुखबिर से बाइक चोरी के संदिग्धों के संबंध में सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने नेकड़ाई तिराहे के पास कार्रवाई करते हुए प्रताप उर्फ गूंगा यादव (45) और एक नाबालिग को पकड़ा। तलाशी के दौरान उनके पास से दो हीरो स्पोर्ट्स मोटरसाइकिलें बरामद हुई पूछताछ में आरोपियों ने

महादेव घाटी के जंगल में पांच अन्य मोटरसाइकिलें छिपाकर रखने की जानकारी दी पुलिस टीम ने उनकी निशानदेही पर जंगल में तलाश की और पांचों बाइकें बरामद कर लीं इस तरह पुलिस के हाथ कुल सात मोटरसाइकिलें लगीं कई क्षेत्रों से चोरी हुई थीं बाइकें बरामद मोटरसाइकिलों में हीरो स्पोर्ट्स, अपाचे, हीरो स्ट्रीम और पल्सर सहित विभिन्न मॉडल शामिल हैं प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, ये वाहन बैराड़ के अलावा भटनावर, विजयपुर, कैलारस और सबलगढ़ क्षेत्रों से चोरी हुए थे पुलिस अब बरामद वाहनों के संबंध में विस्तृत जानकारी जुटा रही है और गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों में उत्साह देखा गया बाइक चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की उम्मीद है।

चिरमिरी में 10 लाख रुपए की लागत से स्थापित होगी महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने क्षत्रिय भवन में शस्त्र पूजा कार्यक्रम के दौरान की घोषणा, अगले साल शस्त्र पूजा तक काम पूरा कराने का दिया आश्वासन

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के चिरमिरी स्थित डोमनहिल के क्षत्रिय भवन में आयोजित शस्त्र पूजा कार्यक्रम में महाराणा प्रताप सिंह की प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की गई कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने प्रतिमा स्थापना के लिए 10 लाख रुपए की लागत से काम कराने का आश्वासन दिया उन्होंने कहा कि अगले वर्ष शस्त्र पूजा कार्यक्रम तक प्रतिमा स्थापना का कार्य पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा घोषणा के बाद क्षत्रिय समाज के सदस्यों में उत्साह देखा गया कार्यक्रम की शुरुआत स्वास्थ्य मंत्री ने मां काली की पूजा-अर्चना



कर की इस दौरान उन्होंने संस्कृति परंपरा और सामाजिक मूल्यों को संरक्षित रखने की आवश्यकता पर जोर दिया मंत्री ने कहा कि समाज को अपनी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को जीवित रखना चाहिए ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं शस्त्र पूजा कार्यक्रम के दौरान क्षत्रिय समाज के प्रतिनिधियों ने चिरमिरी में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप सिंह की प्रतिमा स्थापित करने की मांग रखी। समाज की मांग पर मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मौके पर प्रस्तावित स्थल का



निरिक्षण किया इसके बाद उन्होंने 10 लाख रुपए की लागत से प्रतिमा स्थापित कराने का आश्वासन दिया उन्होंने अगले वर्ष होने वाले शस्त्र पूजा कार्यक्रम तक स्थापना का काम पूरा कराने की बात कही महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा

युवा उड़ान 2026 का आयोजन 29 अक्टूबर को, विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर होगी परिचचा

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेश के युवाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत विजन-2047 से जोड़ने तथा विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से युवा उड़ान 2026 कार्यक्रम का आयोजन 29 अक्टूबर 2026 को अम्बेडकर भवन झगराखांड में किया जाएगा छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के युवाओं को विचार साझा करने, अपने प्रश्न रखने तथा विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद करने का अवसर मिलेगा कार्यक्रम में 16 से 24 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी इसमें कक्षा 9वीं से 12वीं तक के मेधावी विद्यार्थी महाविद्यालयीन एवं प्राचीण्य छात्र, कला, साहित्य, संस्कृति और खेल के क्षेत्र में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाले युवा, खेल अक्वदमियों के प्रशिक्षणार्थी तथा यूवीएससी, सीजीपीएससी सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थी शामिल होंगे इसके साथ ही इंजीनियरिंग, मेडिकल, कृषि, पॉलिटेक्निक एवं आईटीआई के विद्यार्थी सोशल मीडिया

इन्फ्लुएंसर्स सामाजिक कार्यकर्ता कौशल विकास प्रशिक्षणार्थी छात्रावासों में निवासरत विद्यार्थी, दिव्यांगजन तथा आत्मसमर्पित पूर्व नक्सली युवाओं को भी कार्यक्रम में शामिल करने पर जोर दिया गया है युवाओं से जुड़े मुद्दों पर होगी चर्चा युवा उड़ान 2026 के अंतर्गत केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा युवाओं के लिए संचालित विकाससात्वक एवं कल्याणकारी योजनाओं वन नेशन वन इलेक्शन तथा विकसित छत्तीसगढ़ से विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर परिचर्चा आयोजित की जाएगी कार्यक्रम में तीन आर्मीन्त विषय विशेष रूप से विचार रखें। कुल 2 घंटे 10 मिनट विषयों पर संवाद करने का अवसर मिलेगा कार्यक्रम में 16 से 24 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी इसमें कक्षा 9वीं से 12वीं तक के मेधावी विद्यार्थी महाविद्यालयीन एवं प्राचीण्य छात्र, कला, साहित्य, संस्कृति और खेल के क्षेत्र में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाले युवा, खेल अक्वदमियों के प्रशिक्षणार्थी तथा यूवीएससी, सीजीपीएससी सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थी शामिल होंगे इसके साथ ही इंजीनियरिंग, मेडिकल, कृषि, पॉलिटेक्निक एवं आईटीआई के विद्यार्थी सोशल मीडिया

नीमच और धार में गांजे की अवैध खेती का खुलासा, 5.89 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नीमच और धार जिले में आठ खेतों में गांजे की खेती का पर्दाफाश किया है पुलिस ने कार्रवाई के दौरान 34 क्विंटल से अधिक वजन के 52 हजार से ज्यादा हरे पौधे जब्त किए हैं इनकी अनुमानित कीमत 5 करोड़ 89 लाख 49 हजार रुपए बताई गई है दोनों जिलों में एनडीपीएस एक्ट के तहत आठ प्रकरण दर्ज किए गए हैं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन और पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। पुलिस टीमों ने ड्रोन से संदिग्ध क्षेत्रों की निगरानी करने के साथ मौके पर पहुंचकर सघन तलाशी ली नीमच में चार खेतों से पौधे जब्त नीमच जिले

में 16 अक्टूबर को कुकड़ेश्वर, मनासा और रामपुरी थाना क्षेत्रों की संयुक्त टीमों ने कार्रवाई की यहां पत्थरों की घेराबंदी और नीमच और धार जिले में आठ खेतों में गांजे की खेती का पर्दाफाश किया है पुलिस ने 27.95 क्विंटल वजन के 51 हजार पौधे जब्त किए, जिनकी कीमत 2 करोड़ 79 लाख 50 हजार रुपए आंकी गई है धार जिले में ऑपरेशन प्रहार के तहत मनावर और बाग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। पुलिस ने कपास और तुअर की फसलों के बीच उगाए गए गांजे के पौधे जब्त किए धार में जब्त पौधों की कीमत तीन करोड़ रुपए से अधिक बताई गई है पुलिस ने कहा कि अवैध खेती, भंडारण, परिवहन और तस्करी के खिलाफ अभियान जारी रहेगा आम नागरिकों से ऐसी गतिविधियों की सूचना पुलिस देते दे की अपील की गई है।

श्रेसर की मरम्मत के दौरान मिले 4 लाख के जेवर, मिस्त्री ने ईमानदारी दिखाकर लौटाए स्टील के डिब्बे में रखे थे सोने-चांदी के आभूषण, पूर्व सरपंच किसान को सुरक्षित सौंपे भौंती में मिस्त्री गोपाल झा की हो रही सराहना

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के भौंती कस्बे में एक मिस्त्री ने ईमानदारी की मिसाल पेश की है। श्रेसर की मरम्मत के दौरान मिले करीब चार लाख रुपये से अधिक कीमत के सोने-चांदी के आभूषणों को मिस्त्री ने अपने पास रखने के बजाय उनके मालिक को सुरक्षित लौट दिया। गोपाल झा के इस कदम की क्षेत्र में सराहना हो रही है जानकारी के अनुसार, कक्करऊआ टुगी निवासी किसान एवं पूर्व सरपंच रामकृष्ण लोधी अपना श्रेसर सुधरवाने के लिए भौंती स्थित रैनक इंजीनियर वर्कशॉप लेकर पहुंचे थे वर्कशॉप संचालक गोपाल झा श्रेसर की सफाई और मरम्मत कर रहे थे इसी दौरान उन्हें मशीन के अंदर एक स्टील का डिब्बा मिला जब उन्होंने डिब्बा खोलकर देखा तो उसमें सोने-चांदी के कई कीमती आभूषण रखे हुए थे डिब्बे में मंगलसूत्र, झुमकी बिड्डीआ, बिछिया और कमर पेटी सहित अन्य जेवर मौजूद



थे इनकी कुल कीमत चार लाख रुपये से अधिक बताई गई है कीमती आभूषण मिलने के बाद गोपाल झा ने बिना देर किए श्रेसर मालिक रामकृष्ण लोधी को इसकी सूचना दी और सभी जेवर उन्हें सुरक्षित सौंप दिए किसान परिवार के मुताबिक, उन्होंने चोरी के डर से अपने कीमती आभूषण श्रेसर के अंदर छिपाकर रख दिए थे समय बीतने के साथ परिवार के सदस्य इस बात को भूल गए और जेवरों की तलाश करते रहे लंबे समय से लापता आभूषण अचानक मिल जाने से परिवार ने रहत की संस ली ईमानदारी की हो रही सरहना गोपाल झा ने आभूषण लौटकर यह स्देश दिया कि ईमानदारी आज भी समाज की सबसे बड़ी पूंजी है भौंती और आश्वासन के क्षेत्र में लोग उनके इस कार्य की प्रशंसा कर रहे हैं लोगों का कहना है कि कीमती सामान मिलने के बावजूद उसे उसके असली मालिक तक पहुंचाना एक सहीगंया उदाहरण है।

संक्षिप्त समाचार

चलती ऑयल टैंक मालगाड़ी में लगी आग

समय रहते बुझाई, वडोरा से रतलाम आ रही थी, 3 दिन में तीसरी बड़ी रेल घटना



मीडिया ऑडिटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम रेल मंडल में शनिवार रात वडोरा से रतलाम आ रही ऑयल टैंक मालगाड़ी में आग लग गई। घटना बजरंगगढ़ रेलवे स्टेशन के पास रात करीब 9 बजे की बताई गई है। आग लगने की सूचना रेलवे कंट्रोल को मिलने के बाद दुर्घटना सायरन बजाया गया। रतलाम से दुर्घटना राहत ट्रेन रवाना की गई। स्थानीय स्तर पर आग पर काबू पा लिया गया। आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है।

मालगाड़ी के एक टैंक के ऊपर दिखीं लपटें: घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें मालगाड़ी के टैंक के ऊपर आग की लपटें दिखाई दे रही हैं। मालगाड़ी में कच्चा तेल लाया जा रहा था। हालांकि, रेलवे अधिकारियों की ओर से घटना को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। आग पर स्थानीय स्तर पर काबू पाने की जानकारी दी गई है। इसके बावजूद दुर्घटना राहत ट्रेन रतलाम से रवाना की गई। मालगाड़ी फिलहाल बजरंगगढ़ रेलवे स्टेशन के पास खड़ी बताई गई है। आग लगने की वजह और इससे हुए संभावित नुकसान की पुष्टि होना बाकी है।

तीन दिन में तीसरा हादसा: रतलाम रेल में तीन से लगातार हादसे हो रहे हैं। पहला हादसा गुरुवार रात रतलाम के पास सेजावता बंजली बायपास रेलवे फाटक पर हुआ था। जहां फाटक बंद होने के बीच कार के आने पर पैजेंटज ट्रेन की टक्कर हो गई थी। दूसरा हादसा शुक्रागपुर के पास हुआ। जहां निजामुद्दीन-वास्कोडुगामा एक्सप्रेस ने ट्रेक में टूटी को टक्कर मार दी थी। जिसमें दो रेल कर्मचारियों की मौत हो गई थी। दो घायल हो गए थे। अब फिर से शनिवार रात चलती मालगाड़ी में आग लगने की घटना हो गई।

सागर में तपिश बरकरार, पारा 34.8 डिग्री पहुंचा रात में हल्की ठंडक, 25-30 अक्टूबर में मावठ के आसार



मीडिया ऑडिटर, सागर (निप्र)। सर्दी का सीजन शुरू हो गया है लेकिन सागर में अब भी लोगों को गर्मी का अहसास हो रहा है। दिन में तल्ख धूप पड़ रही है। धूप से लोगों को गर्मी सता रही है। हालांकि रात के मौसम में हल्की ठंडक महसूस की जा रही है। शनिवार को सागर का अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शनिवार को दिनभर तेज धूप रही। रविवार सुबह से मौसम साफ है। तेज धूप खिली हुई है। हालांकि मौसम में अगले कुछ दिनों में बदलाव होने के संकेत हैं। दक्षिण राजस्थान और उत्तर गुजरात के ऊपर करीब 0.9 किमी ऊंचाई पर बने चक्रवातीय परिसंचरण के प्रभाव से मध्यप्रदेश की ओर नमी आने की अनुकूल स्थिति बन सकती है। इससे बादलों की आवाजाही और स्थानीय वायुमंडलीय अस्थिरता बढ़ने की संभावना है।

आपदा मित्र प्रशिक्षण में बाढ़ एवं भूकंप से बचाव की दी जानकारी

बैतुल मीडिया ऑडिटर, (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के गृह विभाग एवं मध्यप्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशानुसार होमागढ़ लाइन सोनाघाटी कैम्प में आयोजित सात दिवसीय आपदा मित्र प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय दिवस में प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन, राहत एवं बचाव कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार बाढ़ के दौरान क्या करें और क्या न करें , तैराकी के विभिन्न प्रकार, ड्राई रेस्क्यू, अंडखाटर रेस्क्यू तथा स्ट्रेचर बनाने एवं उसके उपयोग के संबंध में व्यावहारिक जानकारी दी गई। इस दौरान सीसी श्री शिवराज चौधरी, नर्मदापुरम द्वारा प्रोजेक्टर के माध्यम से भूकंप आपदा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारीयां विस्तारपूर्वक समझाई गई। साथ ही केएम लिंग के उपयोग का मौक अथ्यास भी कराया गया। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को आपदा के समय त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करने, राहत एवं बचाव कार्यों को व्यवस्थित रूप से संचालित करने तथा सौंप गए ।

सुवासरा में दुकान खोलने गए त्यापारी को चाकू से गोदा

आतें बाहर आई, परिजन-ग्रामीणों ने चक्काजाम किया , पुलिस जांच में जुटी

मीडिया ऑडिटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के सुवासरा में रविवार सुबह कृषि उपज व्यापारी विक्रम बंजारा (35) पर चाकू से हमला कर दिया गया। वह अपनी दुकान खोलने पहुंचे थे, तभी उन पर हमला हुआ। गंभीर हालत में उन्हें पहले सुवासरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद मंदसौर रेफर किया गया। फिलहाल उनका इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है।

परिजनों ने कहा- 8 से 10 चाकू लगे: परिजनों के मुताबिक, विक्रम को 8 से 10 चाकू लगे हैं और उनकी हालत गंभीर है। चोटों के कारण उनकी आंते भी बाहर आ गई थीं। विक्रम के अंकल मिश्रीलाल ने बताया कि बेहोश होने से पहले उन्होंने कथित तौर पर विक्रम दायमा नाम के व्यक्ति का नाम बताया



था। हालांकि, हमले के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं है।

रूपीजा रोड पर चक्काजाम,

आरोपी की गिरफ्तारी की मांग: घटना के बाद गुस्सा परिजनों और ग्रामीणों ने सुवासरा के रूपीजा रोड पर चक्काजाम

कर दिया। वे आरोपी की गिरफ्तारी और कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। सूचना मिलने पर सीतामऊ एसडीओपी दिनेश प्रजापति मौके पर पहुंचे और परिजनों से चर्चा कर चक्काजाम खुलवाने की कोशिश की।

मौके पर चाकू छोड़कर भागा हमलावर: हमला करने वाला व्यक्ति चाकू घटनास्थल पर ही छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने चाकू बरामद कर लिया है और आरोपी की तलाश की जा रही है। स्थिति को देखते हुए सुवासरा सहित तीन थानों को पुलिस बल तैनात किया गया है। सीतामऊ और शामगढ़ से भी पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। चक्काजाम कर रहे परिजन और ग्रामीण आरोपी की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे। पुलिस अधिकारियों ने उनसे चर्चा कर रास्ता खुलवाने का प्रयास किया।

दित्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना में 14 प्रकरण स्वीकृत, 24 लाख रुपये की राशि मंजूर

मीडिया ऑडिटर, विदिशा (निप्र)। राज्य सरकार द्वारा संचालित दित्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत विदिशा जिले में दित्यांगजनों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से 14 विवाह प्रकरणों को स्वीकृति प्रदान की गई है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता द्वारा इन प्रकरणों में नियमानुसार प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई। स्वीकृत प्रकरणों में दित्यांग एवं सामान्य दंपतियों के साथ-साथ दोनों पति-पत्नी के दित्यांग होने वाले प्रकरण भी शामिल हैं। योजना के तहत दित्यांग व्यक्ति का विवाह सामान्य व्यक्ति से होने पर पात्रतानुसार 2 लाख रुपये तथा पति-पत्नी दोनों के दित्यांग होने पर 1 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। इस प्रकार 14 स्वीकृत प्रकरणों में कुल 24 लाख रुपये की राशि मंजूर की गई है। स्वीकृत प्रकरणों में श्री ब्रजेश यादव, निवासी ग्राम मुस्करा, तहसील लटेरी, का विवाह श्रीमती हल्कीबाई यादव, निवासी ग्राम सेमरा अहीर, तहसील लटेरी, के साथ हुआ है। ब्रजेश यादव 40 प्रतिशत बौद्धिक दित्यांग हैं। दोनों में एक दित्यांग एवं एक सामान्य होने के कारण उन्हें 2 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार आवेदिका शाजिया बी, निवासी वार्ड क्रमांक 21, माता मंढेर, सिरोंज, 40 प्रतिशत बोनापन दित्यांग हैं। उनका विवाह शहिद कुरेशी, निवासी वार्ड क्रमांक 1, लाल बहादुर शास्त्री वार्ड, लटेरी, के साथ हुआ है। इस प्रकरण में भी 2लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। श्रीमती सविता कुशवाह, निवासी ग्राम अहमदपुर कब्बा, विदिशा, 75 प्रतिशत श्रवणबाधित दित्यांग हैं। उनका विवाह श्री तुलसीराम कुशवाह,

निवासी ग्राम देवरी गढ़ी, तहसील गैरतगंज, जिला रायसेन, के साथ हुआ है। इस प्रकरण में 2 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। श्रीमती प्रियंका राजपूत, निवासी ग्राम डबरी ढाना, नरयावली, जिला सागर, 40 प्रतिशत दृष्टिबाधित दित्यांग हैं। उनका विवाह श्री गोविन्द राजपूत, निवासी ग्राम पिथौली, तहसील कुरवाई, जिला विदिशा, के साथ हुआ है। इस प्रकरण में भी 2 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। वहीं, श्रीमती फिरदौस अंसारी, निवासी वार्ड क्रमांक 1, गंजबासौदा, 60 प्रतिशत अस्थिबाधित दित्यांग हैं तथा उनके पति गुलसेर खां, निवासी ग्राम बडोह पठरी, तहसील कुरवाई, 80 प्रतिशत अस्थिबाधित दित्यांग हैं। दोनों के दित्यांग होने के कारण इस प्रकरण में 1 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। श्रीमती रानीबाई यादव, निवासी ग्राम तिलोनी झुकरजागी, तहसील लटेरी, 50 प्रतिशत मानसिक दित्यांग हैं। उनका विवाह श्री हरिओम यादव, निवासी ग्राम आगर पठार, तहसील लटेरी, के साथ हुआ है। पति सामान्य होने के कारण इस प्रकरण में 2 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। श्री भीकम नायक, निवासी ग्राम काछीखेड़ा, तहसील लटेरी, 60 प्रतिशत अस्थिबाधित दित्यांग हैं, जबकि उनकी पत्नी श्रीमती पंकी नायक, निवासी ग्राम टंक पोरिया, तहसील आरोन, जिला गुना, 40 प्रतिशत अस्थिबाधित दित्यांग हैं। दोनों के दित्यांग होने के कारण 1 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। श्री नीलम सिंह अहिरवार, निवासी ग्राम कालादेव, तहसील लटेरी, 50 प्रतिशत अस्थिबाधित दित्यांग हैं।

उनकी पत्नी श्रीमती हल्कीबाई अहिरवार, निवासी ग्राम मोहनखेड़ी, तहसील सिरोंज, भी 50 प्रतिशत अस्थिबाधित दित्यांग हैं। दोनों के दित्यांग होने पर 1 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। श्रीमती भमरोबाई यादव, निवासी ग्राम मुस्करा, तहसील लटेरी, 80 प्रतिशत मुखबाधित दित्यांग हैं। उनका विवाह श्री शिशुपाल यादव, निवासी ग्राम वापची, तहसील राबौगढ़, जिला गुना, के साथ हुआ है। पति सामान्य होने के कारण इस प्रकरण में 2 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। श्रीमती हल्कीबाई अहिरवार, निवासी ग्राम जमुनिया, तहसील लटेरी, 40 प्रतिशत अस्थिबाधित दित्यांग हैं। उनका विवाह श्री धनपाल अहिरवार, निवासी ग्राम वापचा, लटेरी, जिला विदिशा, के साथ हुआ है। इस प्रकरण में 2 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। श्री अनस अली, निवासी वार्ड क्रमांक 17, विदिशा, 85 प्रतिशत श्रवणबाधित दित्यांग हैं, जबकि उनकी पत्नी तहजीब, निवासी वार्ड क्रमांक 5, बाजार कुर्ती, जिला सागर, बहु-दित्यांग हैं। दोनों के दित्यांग होने के कारण इस प्रकरण में 1 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। श्रीमती पंकी कुशवाह, निवासी रामलीला, विदिशा, 50 प्रतिशत अस्थिबाधित दित्यांग हैं। उनका विवाह श्री गुलाबसिंह कुशवाह, निवासी ग्राम बरौं, तहसील विदिशा, के साथ हुआ है।पति सामान्य होने के कारण 2 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। इसी क्रम में श्रीमती शुभांगी दुबे, निवासी वार्ड क्रमांक 19, बासोदा, जिला विदिशा, 40 प्रतिशत अस्थिबाधित दित्यांग हैं।

HPE की अप्रेंटिसशिप ड्राइव में विदिशा जिले के 9 युवाओं का चयन

● 119 युवाओं ने लिया

भाग, प्रतिष्ठित आईटी कंपनी में कार्य-अनुभव एवं कौशल विकास का मिलेगा अवसर

मीडिया ऑडिटर, विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में जिले के युवाओं को रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बैंगलोर की प्रतिष्ठित आईटी कंपनी HPE (Hewlett Packard Enterprise) द्वारा कॉमर्स ग्रेजुएट युवाओं के लिए अप्रेंटिसशिप ड्राइव का आयोजन किया गया।

ड्राइव में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से कुल 119 युवाओं ने सहभागिता की, जिनमें से 9 युवाओं का चयन अप्रेंटिसशिप के लिए किया गया है।

चयन प्रक्रिया के माध्यम से जिले के युवाओं को प्रतिष्ठित आईटी कंपनी के साथ कार्य करने और व्यावसायिक क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला है। अप्रेंटिसशिप के दौरान युवाओं को कार्यस्थल की आवश्यकताओं के अनुरूप अपने कौशल को विकसित करने



तथा भविष्य में रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

अप्रेंटिसशिप ड्राइव में चयनित युवाओं में जागृति बधेल, शासकीय महाविद्यालय विदिशा; तनीशा साहू, गर्ल्स कॉलेज गंजबासौदा; सागर पटेल, एल.बी.एस. कॉलेज गंजबासौदा; शरद कुशवाह एवं सूर्याश वर्मा, एल.बी.एस. कॉलेज सिरोंज; आशी सरदेसी एवं कुलदीप पटवा, जैन कॉलेज विदिशा; पुष्पेंद्र, वात्सल्य कॉलेज विदिशा तथा प्रियांशु चतुर्वेदी शामिल हैं।

जिले के युवाओं को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों से जोड़ने की यह पहल रोजगारोन्मुखी अवसरों के

विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे युवाओं को अपनी शैक्षणिक योग्यता के साथ-साथ व्यावहारिक एवं व्यावसायिक कौशल विकसित करने का अवसर मिलेगा।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा युवाओं की क्षमता और योग्यता के अनुरूप रोजगार, प्रशिक्षण एवं अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रशासन का प्रयास है कि जिले के अधिक से अधिक युवाओं को प्रतिष्ठित संस्थानों एवं कंपनियों से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भरता और बेहतर कैरियर की दिशा में आगे बढ़ने के अवसर मिल सकें हैं।

रतलाम में कपास-मक्के के बीच उगे मिले गांजे के पौधे

● पुलिस ने 28 लाख रुपए कीमत के 880 पौधे किए जब्त, भागने की कोशिश कर रहा खेत मालिक गिरफ्तार



उगा रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी शिवगढ़ ललितयन

मालवीय के नेतृत्व में पुलिस टीम बनाई गई। मौके पर पहुंच घेराबंदी की करते हुए

खेत में दबिश दी। खेत में एक व्यक्ति काम करता दिखाई दिया, जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस टीम ने उक्त व्यक्ति को पकड़कर पृच्छाछ की। पृच्छाछ में उसकी पहचान वीरू (52)पिता शंभु पारगी निवासी ग्राम गुंजा के रूप में हुई।

खेत में तलाशी ली तो मिले पौधे: पुलिस टीम द्वारा आरोपी के कब्जे वाले खेत की तलाशी लेने पर कपास एवं मक्का की फसल के बीच अलग-अलग स्थानों पर गांजे के हेरे पौधे उगे मिले। पुलिस ने पौधों की पहचान एवं गिनती की। कार्रवाई के दौरान गांजे के कुल 880 हेरे पौधे जप्त किए। पुलिस ने आरोपी वीरू पारगी के खिलाफ NDPS एक्ट के तहत केस दर्ज कर गिरफ्तार करते हुए मामले को जांच में लिया।

बीना रिफाइनरी-बेतवा बैराज परियोजना: भू-अर्जन से प्रभावित परिवारों की आपत्तियां सुनने 19 से 22 अक्टूबर तक लोक सुनवाई

मीडिया ऑडिटर, विदिशा (निप्र)। बीना रिफाइनरी-बेतवा बैराज परियोजना अंतर्गत भू-अर्जन प्रकरणों में भू-अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिक्र एवं पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 05 के तहत अर्जित की जाने वाली भूमि से प्रभावित परिवारों के विचार एवं आपत्तियों को सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन (SIA) रिपोर्ट में शामिल करने के लिए लोक सुनवाई आयोजित की जाएगी। इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी कुरवाई श्री मोतीलाल अहिरवार द्वारा लोक सुनवाई के लिए कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। प्रभावित परिवारों के साथ-साथ संबंधित व्यक्ति, संस्था अथवा संगठन लोक सुनवाई के दौरान अपनी आपत्ति अथवा सुझाव लिखित या मौखिक रूप से प्रस्तुत कर सकेंगे। एसडीएम श्री अहिरवार ने बताया है कि लोक सुनवाई का आयोजन प्रातः 10 बजे से शाम 5:30 बजे तक निर्धारित स्थानों पर कि जाएगी। प्रशासन द्वारा संबन्धित ग्रामों में लोक सुनवाई के लिए पंचायती अधिकारियों की नियुक्ति भी की गई है, ताकि प्रभावित परिवारों को अपनी बात रखने के लिए आवश्यक सुविधा उपलब्ध हो सके। इन ग्रामों में निर्धारित है लोक सुनवाई सोमवार 19 अक्टूबर को तीन ग्राम पंचायतों में लोक सुनवाई होगी। इसमें नाडकुंड, दांगी कुहरिया के लिए पंचायत भवन नाडकुंड में तहसीलदार कुरवाई श्री संदीप शर्मा, कांकर एवं खिरिया भीरारा के लिए पंचायत भवन कांकर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कुरवाई एवं राजस्व निरीक्षक श्री मकरंद सिंह धुवें तथा भीरारा के लिए पंचायत भवन भीरारा में नायब तहसीलदार कुरवाई श्री अनुराग रावत सहयोगी अधिकारी के रूप में उपस्थित रहेंगे।

श्रीलंका में अगले माह खेला जाएगा अनूठा टेस्ट ट्वेंटी क्रिकेट टूर्नामेंट

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में अगले माह एक अनूठा क्रिकेट टूर्नामेंट टेस्ट ट्वेंटी होने जा रहा है। इसमें क्रिकेट इतिहास में पहली बार लड़के और लड़कियां को एक ही टीम में खेलते देखा जा सकेगा। टेस्ट ट्वेंटी टूर्नामेंट अगले माह 14 से 29 नवंबर तक खेला जाएगा। इसका लक्ष्य

क्रिकेट में लैंगिक समानता और सहभागिता को बढ़ावा देना है। इसमें एक ही टीम में लड़के और लड़कियां रहेंगे। ऐसे में हार और जीत का फैसला उनके संयुक्त प्रदर्शन और बनाए गए साझा रनों के आधार पर होगा। यह प्रतियोगिता 13 से 21 वर्ष की आयु के 160 युवा क्रिकेटरों को एक मंच प्रदान करेगी। इस टूर्नामेंट की सबसे खास बात इसकी मिश्रित टीम संरचना है। खिलाड़ियों को चार महाद्वीपीय टीमों में बांटा जाएगा, जिनमें से प्रत्येक टीम में 20 लड़कियां और 20 लड़के होंगे, जिससे हर टीम में कुल 40 खिलाड़ी शामिल होंगे। यह ढांचा मैदान पर पूर्ण समानता के सिद्धांत को सुनिश्चित करता है, जहां हर खिलाड़ी का योगदान टीम के समग्र प्रदर्शन के लिए महत्वपूर्ण होगा। टूर्नामेंट के संस्थापक गौरव बहिरवांनी के अनुसार, समानता सिर्फ खेल के मैदान तक ही सीमित नहीं रहेगी, बल्कि प्रसारण के दौरान भी लड़के और लड़कियों को बराबर कवरेज देने की योजना है, ताकि उनकी उपलब्धियों को समान रूप से सराहा जा सके। कोलंबो के प्रतिष्ठित सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में होने वाले इस टूर्नामेंट का टेस्ट ट्वेंटी प्रारूप भी अपने आप में अनूठा है।

निरज चोपड़ा की नजरें 2028 ओलंपिक पर लगीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी निरज चोपड़ा का लक्ष्य 2028 में होने वाले लॉस एंजिल्स ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन करना है। इसी को देखते हुए निरज अपनी चोट से उबरने के बाद

अगले एक साल में खेल में फिर से शीर्ष पर अपनी जगह बनाना चाहते हैं। फिट नहीं होने के कारण वह एशियाई खेलों में भी भाग नहीं ले पाये थे। ट्रेनिंग के दौरान टखने की लिगामेंट में चोट लगने के

बाद से ही वह खेलों से बाहर चल रहे हैं। एशियाई खेलों के अलावा वह इस सीजन के बाकी सभी महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों से भी बाहर हैं। बड़े टूर्नामेंटों से बाहर होने की निराशा के बावजूद, निरज का ध्यान पूरी तरह से भविष्य पर केंद्रित है। उन्होंने अपनी वापसी की प्रक्रिया को लेकर कहा, ओलंपिक में अभी कुछ समय है। जिसके लिए अब मैं वापसी करने की प्रक्रिया में हूँ। मेरा पूरा ध्यान अगले साल एक मजबूत वापसी करने और उस तरह का प्रदर्शन देने पर है, जिसका मैंने लक्ष्य रखा है। उनका मानना है कि सही तैयारी और उचित पुनर्वास के साथ, वह अगले साल मैदान पर एक नए और बेहतर अंदाज में वापसी कर सकेंगे।

भारतीय टीम का न्यूजीलैंड दौरा: 12 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की लंबी क्रिकेट सीरीज का पूरा शेड्यूल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की रोमांचक टी20 सीरीज को 2-2 की बराबरी पर खत्म करने के बाद अब एक नए और बड़े दौर के लिए पूरी तरह तैयार है। टीम इंडिया अब न्यूजीलैंड की चुनौतीपूर्ण धरती पर कदम रखने जा रही है, जहां अक्टूबर से दिसंबर 2026 तक एक लंबा और ऐतिहासिक सीरीज खेली जानी है। इस दौर पर दोनों टीमों के बीच कुल 12 मुकाबले खेले जाएंगे, जिसमें पांच टी20, पांच वनडे और दो टेस्ट मैचों की सीरीज शामिल है। कीवी टीम के खिलाफ यह महामुकाबला 22 अक्टूबर से शुरू होकर 1 दिसंबर 2026 तक चलेगा, जिससे पहले दोनों टीमों जनवरी 2026 में भारत दौर पर आमने-सामने आ चुकी हैं। न्यूजीलैंड दौर की शुरुआत सबसे पहले पांच मैचों की रोमांचक टी20 सीरीज के साथ होगी, जो 22 अक्टूबर से 1 नवंबर

2026 के बीच खेली जाएगी। इस फॉर्मेट का पहला मुकाबला 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल मैदान पर खेला जाएगा, जिसके बाद ठीक दो दिन बाद यानी 24 अक्टूबर को इसी मैदान पर दूसरा टी20 मैच आयोजित होगा। सीरीज का तीसरा मुकाबला 27 अक्टूबर को वेलिंगटन के हेनरी स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमों ऑकलैंड के ऐतिहासिक ईडन पार्क का रुख करेंगी जहां 30 अक्टूबर को चौथा टी20 मुकाबला खेला जाएगा। टी20 श्रृंखला का पांचवां और अंतिम मैच 1 नवंबर को हेमिल्टन के सेडन पार्क में खेला जाएगा, जिसके साथ ही सीरीज का यह पहला चरण समाप्त हो जाएगा। सभी टी20 मैच भारतीय भारतीय टीम का न्यूजीलैंड दौरा: समयानुसार रात 12:00 बजे शुरू होंगे। टी20 मुकाबलों के बाद दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का रोमांच

शुरू होगा, जो 4 नवंबर से 15 नवंबर 2026 तक खेली जाएगी। वनडे श्रृंखला का आगाज 4 नवंबर को ऑकलैंड के ईडन पार्क में होगा, हालांकि भारतीय समयानुसार यह मैच एक दिन पहले यानी 3 नवंबर की शाम 6:00 बजे शुरू होगा। इसके बाद दूसरा वनडे 7 नवंबर को वेलिंगटन के हेनरी स्टेडियम में खेला जाएगा (भारतीय समयानुसार 6 नवंबर शाम 6:00 बजे)। सीरीज का तीसरा मुकाबला 10 नवंबर को हेमिल्टन के सेडन पार्क में (भारतीय समयानुसार 9 नवंबर शाम 6:00 बजे) होगा। इसके बाद बचे हुए दोनों वनडे मुकाबले माउंट माउंटानुई के बे ओवल मैदान पर खेले जाएंगे। चौथा वनडे 13 नवंबर को (भारतीय समयानुसार 12 नवंबर शाम 6:00 बजे) और पांचवां तथा अंतिम वनडे 15 नवंबर को (भारतीय समयानुसार 14 नवंबर शाम 6:00 बजे) खेला जाएगा। दौर



का सबसे रोमांचक और अंतिम चरण दो मैचों की बहुप्रतीक्षित टेस्ट सीरीज होगी, जो 19 नवंबर से 1 दिसंबर 2026 के बीच खेली जाएगी। पारंपरिक लाल गेंद के इस मुकाबले का पहला टेस्ट मैच 19 से 23 नवंबर के बीच वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व मैदान पर आयोजित होगा, जिसकी शुरुआत भारतीय समयानुसार 18 नवंबर की दोपहर 2:00 बजे से हो जाएगी। वहीं इस ऐतिहासिक दौर का समापन दूसरे टेस्ट मैच

के साथ होगा, जो 27 नवंबर से 1 दिसंबर के बीच क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल मैदान पर खेला जाएगा और यह मैच भारतीय समयानुसार 26 नवंबर की दोपहर 2:00 बजे शुरू होगा। न्यूजीलैंड की उछलभरी पिचों पर भारतीय बल्लेबाजों के लिए यह एक कड़ी चुनौती होगी, और यह लंबी सीरीज आगामी महीने में क्रिकेट जगत में किस टीम का दबदबा कायम रहता है, यह तय करेगी।

न्यूजीलैंड दौरे से रोहित और विराट को होगी मोटी कमाई



मुम्बई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली को न्यूजीलैंड दौरे से मोटी कमाई होगी। इन दोनों को मैच फीस से ही 30-30 लाख रुपये की मोटी रकम मिलेगी। बीसीसीआई के नियमानुसार, अंतिम ग्यारह में शामिल प्रत्येक खिलाड़ी को प्रति एकदिवसीयमैच 6 लाख रुपये की मैच फीस मिलती है, जबकि रिजर्व खिलाड़ियों को 3 लाख रुपये दिए जाते हैं। न्यूजीलैंड में पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज होनी है, तो

यदि विराट और रोहित सभी मैचों की अंतिम ग्यारह में शामिल रहते हैं, तो उन्हें प्रति खिलाड़ी 30 लाख रुपये की मैच फीस मिलेगी। आमतौर पर भारतीय टीम तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेलती है, जिससे खिलाड़ियों को 18 लाख रुपये की मैच फीस मिलती थी, लेकिन इस बार अधिक मैचों से उनकी कमाई भी ज्यादा होगी।

गौरतलब है कि विराट और रोहित अब केवल एकदिवसीय प्रारूप में ही खेलते हैं, ये दोनों ही बीसीसीआई के

केंद्रीय अनुबंध की ग्रेड बी श्रेणी में आते हैं। इस श्रेणी के तहत उन्हें सालाना 3-3 करोड़ रुपये का वेतन मिलता है, जो उनकी मैच फीस के अतिरिक्त है। हालांकि, इन दिग्गजों की कुल कमाई का एक बड़ा हिस्सा विज्ञापन ब्रांड एंडोर्समेंट और अन्य व्यावसायिक अनुबंधों से आता है। बीसीसीआई द्वारा दी जाने वाली राशि उनकी आय का केवल एक हिस्सा होती है।

बीसीसीआई की अनुबंध प्रणाली खिलाड़ियों के प्रदर्शन, अनुभव और विभिन्न प्रारूपों में उनकी भागीदारी के आधार पर उन्हें वर्गीकृत करती है। वर्तमान में, ग्रेड ए उच्चतम श्रेणी है, जिसमें शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। इन्हें सालाना 5-5 करोड़ रुपये का वेतन मिलता है। दिलचस्प बात यह है कि इनमें से कोई भी खिलाड़ी तीनों फॉर्मेट में नियमित रूप से नहीं खेलता है। पहले ग्रेड ए प्लस नामक एक और श्रेणी थी, जिसमें खिलाड़ियों को सालाना 7 करोड़ रुपये मिलते थे, लेकिन अब इस ग्रेड को हटा दिया गया है। फिलहाल, 5 करोड़ रुपये टीम इंडिया के किसी भी खिलाड़ी द्वारा अर्जित की जा सकने वाली उच्चतम वार्षिक रकम है।

भारत-वेस्टइंडीज टी20 सीरीज ड्रॉ:

कप्तान श्रेयस अय्यर ने गेंदबाजों पर फोड़ा ठीकरा, छलका दर्द

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेली गई पांच मैचों की टी20 सीरीज 2-2 की बराबरी पर खत्म हुई, जिसका पांचवां और निर्णायक मुकाबला बारिश के कारण रद्द करना पड़ा। इस परिणाम से भारतीय खेमा निराश है, और कप्तान श्रेयस अय्यर ने सीधे तौर पर गेंदबाजों के प्रदर्शन पर सवाल उठाए हैं। मैच रद्द होने के बाद भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने स्वीकार किया कि यदि टीम ने कुछ मैचों में अपनी गेंदबाजी में और अनुशासन दिखाया होता, तो सीरीज का नतीजा कुछ और हो सकता था। उन्होंने मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में कहा कि टीम दूसरे और चौथे मुकाबले में बेहतर गेंदबाजी कर सकती थी, जहां परिणाम भारत के पक्ष में नहीं रहे। हालांकि, श्रेयस अय्यर ने सीरीज के दौरान टीम के जुझारू रवैये और आक्रामक मानसिकता की सराहना भी की। उन्होंने साफ किया कि भारतीय टीम भविष्य में भी इसी आक्रामक सोच के साथ मैदान पर उतरेगी और अपनी शैली में कोई बदलाव नहीं करेगी। यह



टिप्पणी टीम की रणनीति और भविष्य के दृष्टिकोण को स्पष्ट करती है, लेकिन यह भी दर्शाती है कि कप्तान मौजूदा प्रदर्शन से पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं। श्रेयस अय्यर ने विशेष रूप से गेंदबाजी इकाई पर निशाना साधा, उनका मानना है कि कुछ महत्वपूर्ण पलों में गेंदबाजों ने विपक्षी बल्लेबाजों को रन बनाने का मौका दिया, जिससे मैच हाथ से निकल गए।

सलामी बल्लेबाजों की मौजूदगी और प्रक्रिया पर भरोसा जताते हुए अय्यर ने कहा, 'मैं वैभव से यही कहता रहता हूँ कि उन्हें अपनी बारी का इंतजार करना होगा और मौका जरूर मिलेगा। क्रिकेट में अपनी प्रक्रिया और

तैयारी में निरंतरता बनाए रखनी बेहद जरूरी है। कभी-कभी लंबे इंतजार का सामना भी करना पड़ता है। फिलहाल हमारे पास टीम में दो शानदार सलामी बल्लेबाज मौजूद हैं, जो बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। वैभव के साथ हमारी बातचीत मुख्य रूप से इसी विषय पर होती रही है कि वह कैसे अपने खेल को और निखारते रहें।' अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इस दौर में खिलाड़ियों को लगातार यात्राएं करनी पड़ती हैं और व्यस्त कार्यक्रम से गुजरना होता है। इस बारे में बात करते हुए श्रेयस अय्यर ने स्पष्ट किया कि भारतीय टीम इन परिस्थितियों से अच्छी तरह निपटना जानती है।

टेबल टेनिस : आरव-सानवी का खिताबी स्मैश, अंडर-13 में बने जिला चैंपियन

शरद सांघी स्मृति स्पर्धा में दोनों ने फाइनल 3-0 से जीते

इंदौर, एजेंसी। शरद सांघी स्मृति इंदौर जिला टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अंडर-13 के खिताब आरव कासठ और सानवी सिंघल ने अपने नाम किए। अभय प्रशाल स्पोर्ट्स क्लब में खेली जा रही स्पर्धा के बालक वर्ग के फाइनल में आरव ने मानव शाह को 3-0 से हराया, जबकि बालिका वर्ग में सानवी ने हनु घनोतिया को इसी अंतर से पराजित कर खिताब जीता।

इंदौर जिला टेबल टेनिस संगठन के तत्वावधान में आयोजित स्पर्धा के बालक वर्ग में आरव और मानव ने संघर्षपूर्ण सेमीफाइनल जीतकर फाइनल में जगह बनाई। आरव ने नक्षत्रराज सिंह को 3-2 से हराया, जबकि मानव ने पुण्यांश जैन को इसी अंतर से पराजित किया। अंडर-13 बालक वर्ग के क्वार्टर फाइनल में आरव ने आर्या गुप्ता को 3-0 से, नक्षत्रराज सिंह ने कियान इंगले को 3-0 से और मानव शाह ने आर्यन ठाकुर को 3-0 से हराया। पुण्यांश जैन ने अयान डगरिया को 3-1 से शिकस्त देकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

:: अंडर-15 में अंतिम आठ के लिए कड़ा मुकाबला ::

बालक अंडर-15 वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में रश्मित चावड़ा ने वैदिक जारवाल को 3-0 से, मीत मिमरोट ने आरव कासठ को 3-2 से और मृदुल जोशी ने आरव



कासठ को 3-0 से हराया। सार्थक खरे ने कियान इंगले को 3-0 से, जबकि लक्षित चैकसे ने पुण्यांश जैन को 3-2 से पराजित किया।

अन्य मुकाबलों में दक्ष माहेश्वरी ने आर्यान ठाकुर को 3-0 से, समीर सैयद ने नक्षत्रराज सिंह को 3-0 से और धैर्य जैन ने विराट वानखेड़े को 3-1 से हराया।

वैभव के साथ नाइंसाफी पर बोले कप्तान श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच टी20 मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर रही, लेकिन इस सीरीज में टीम इंडिया के युवा ओपनर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को एक भी मुकाबले में खेलने का मौका नहीं मिला। यह स्थिति एक बार फिर युवा प्रतिभाओं को मौके मिलने की बहस को जन्म दे रही है। सीरीज का आखिरी मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम में बारिश के कारण पूरा नहीं हो सका, जिसके बाद टीम इंडिया के कप्तान श्रेयस अय्यर से वैभव सूर्यवंशी को लेकर सवाल पूछा गया। अय्यर ने इस मामले पर खुलकर अपनी बात रखी। वैभव को मौका न दिए जाने को लेकर अय्यर ने कहा, 'मैं बस वैभव सूर्यवंशी से यही कहता रहता हूँ कि तुन्हें अपने मौके जरूर मिलेंगे। अगर तुम



अपने प्रोसेस पर लगातार काम करते रहो, अपना माइंडसेट सकारात्मक रखो और मौका न मिलने के बारे में ज्यादा मत सोचो, तो बेहतर होगा। कभी-कभी आपको इंतजार करना पड़ता है। हमारे पास दो शानदार ओपनर हैं, जिन्होंने हमें वर्ल्ड कप जिताया है और जो लगातार अच्छे प्रदर्शन करते रहे हैं।' अय्यर का यह बयान संकेत देता है कि टीम प्रबंधन वैभव की प्रतिभा से वाकिफ है, लेकिन मौजूदा टीम संयोजन में उनके लिए जगह बना पाना मुश्किल हो रहा है। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में टीम इंडिया के लिए अभिषेक शर्मा और संजू सेमसन ने पारी की शुरुआत की थी।

बारिश से धुला भारत-वेस्टइंडीज पांचवां टी20, दर्शकों का हुआ भरपूर मनोरंजन



नई दिल्ली, एजेंसी। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेला गया पांचवां और निर्णायक टी20 मुकाबला आखिरकार बारिश की भेंट चढ़ गया। रोमांच से भरपूर इस सीरीज का यह अंतिम मैच मौसम की बेरुखी के कारण बेनतीजा समाप्त हुआ। हालांकि, जितने भी समय खेल हो सका, उसमें बल्लेबाजों ने टी20 क्रिकेट के रोमांच की पूरी परिभाषा गढ़ दी और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। पांच मैचों की सीरीज 2-2 की बराबरी पर खत्म हुई, जिससे किसी भी टीम को सीरीज

जीतने का मौका नहीं मिल पाया। मैच की शुरुआत से ही मौसम खलनायक की भूमिका में नजर आया। बारिश के कारण टॉस में पूरे ढाई घंटे की लंबी देरी हुई। इसके चलते मैच निर्धारित समय से दो घंटे 15 मिनट की देरी से शुरू हुआ। स्थिति को संभालते हुए अंपायरों ने मैच को 20-20 ओवरों से घटाकर नौ-नौ ओवर का कर दिया, जिससे यह मुकाबला एक हाई-वोल्टेज संक्षिप्त जंग में तब्दील हो गया। टॉस जीतकर वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने पिच की नमी और बादलों को देखते हुए पहले गेंदबाजी करने

का फैसला किया। भारतीय टीम ने इस निर्णायक मुकाबले के लिए अपनी अंतिम एकादश में दो महत्वपूर्ण बदलाव किए। हरफनमौला खिलाड़ी शिवम दुबे की टीम में वापसी हुई, वहीं अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार लंबे समय के बाद राष्ट्रीय जर्सी में मैदान पर उतरे। दूसरी ओर, वेस्टइंडीज ने अपनी विजयी संयोजन पर भरोसा जताते हुए प्लेइंग इलेवन में कोई बदलाव नहीं किया। वेस्टइंडीज के कप्तान का पहले गेंदबाजी का फैसला शुरुआती ओवरों में सही साबित होता दिख रहा था, जब

कैरेबियाई गेंदबाजों ने कसी हुई लाइन-लेंथ पर गेंदें फेंकी। हालांकि, छोटे फॉर्मेट के दबाव में भारतीय बल्लेबाजों ने मैदान के चारों ओर चौकों और छक्कों की बरसात शुरू कर दी। भारत की पारी की शुरुआत करने आए संजू सेमसन ने आते ही अपने आक्रामक तेवर दिखाए। उन्होंने विकेटकीपर की भूमिका निभाते हुए महज 7 गेंदों पर 2 चौकों और 1 छक्के की मदद से 16 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। उनके जोड़ीदार अभिषेक शर्मा ने भी 4 गेंदों पर 1 छक्के के साथ 6 रन बनाए।

महतारी वंदन योजना से श्रीमती पीलादाई बघेल को मिल रहा आर्थिक संबल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ ही उनके दैनिक जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता से महिलाओं को परिवार की छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने में सहारा मिल रहा है। कोण्डागांव जिले के ग्राम डोंगरीपारा, दहिकोंगा निवासी श्रीमती पीलादाई बघेल भी इस योजना से लाभान्वित हो रही हैं। उन्हें महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह एक हजार रुपये की राशि प्राप्त होती है। वे इस राशि का उपयोग अपने बच्चों की देखभाल, स्वास्थ्य संबंधी छोटी-मोटी परेशानियों के समाधान और जरूरत पड़ने पर कृषि संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में करती हैं। श्रीमती पीलादाई बघेल ने बताया कि घर-परिवार में अक्सर ऐसी छोटी-छोटी जरूरतें सामने आती रहती हैं, जिनके लिए तत्काल पैसों की जरूरत होती है। ऐसे समय में योजना के तहत हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपये की राशि उनके लिए आर्थिक संबल बनती है। इससे उन्हें अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता मिलती है और परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में सहूलियत होती है। महतारी वंदन योजना महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और परिवार की आर्थिक व्यवस्था में उनकी भागीदारी बढ़ाने में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। श्रीमती पीलादाई बघेल ने इस सहयोग के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए शासन की इस जनकल्याणकारी योजना की सराहना की।

सेवा संकल्प अभियान के समापन दिवस पर कोण्डागांव जिले के 41 दिव्यांगजनों को मिला सहायक उपकरण



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। । सेवा संकल्प अभियान के अंतिम दिन शनिवार को जिला कार्यालय परिसर में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोण्डागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर चिकलांग सहायता समिति जयपुर के द्वारा एनएसई फाउंडेशन सीएसआर से 41 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराए गए। इनमें 15 लोगों का मौके पर मेडिकल सर्टिफिकेट बना कर उपकरण वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान विधायक सुश्री लता उसेंडी और कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के अंतिम दिन दिव्यांगजनों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। सहायक उपकरणों के माध्यम से दिव्यांगजनों की दैनिक गतिविधियों को सुगम बनाने और उनकी जरूरतों के अनुरूप सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल से माताओं को मिल रहा आर्थिक संबल, बच्चों की पढ़ाई के सपनों को मिल रही नई उड़ान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। एक मां का सबसे बड़ा सपना होता है कि उसके बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त करें और जीवन में आगे बढ़कर अपना उज्ज्वल भविष्य बनाएं। समित्त आर्थिक संसाधनों के बीच बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना कई बार चुनौतीपूर्ण हो जाता है। ऐसे में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित महतारी वंदन योजना महिलाओं के लिए आर्थिक संबल बनने के साथ ही उनके बच्चों की शिक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जिले के पेड्डा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत लाटा के जोड़ू तालाब निवासी श्रीमती मानकुंवर मसराम की कहानी इसका एक उदाहरण है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत श्रीमती मानकुंवर मसराम को 32वीं किस्त की राशि प्राप्त हुई है। योजना से हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता उनके परिवार की छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने में मददगार साबित हो रही है। मानकुंवर इस राशि का उपयोग विशेष रूप से अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और धेरुल आवश्यकताओं के लिए करती हैं। बच्चों के लिए कॉपी, पेन और अन्य जरूरी शैक्षणिक सामग्री खरीदने में इस सहायता राशि से उन्हें काफी राहत मिल रही है।

बच्चों की पढ़ाई में नहीं आने देना चाहौं संसाधनों की कमी: श्रीमती मानकुंवर मसराम बताती हैं कि हर माता-पिता की तरह उनकी भी इच्छा है कि उनके बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त करें और जीवन में आगे बढ़ें। बच्चों की पढ़ाई के लिए समय-समय पर कॉपी, पेन और अन्य शैक्षणिक सामग्री की आवश्यकता पड़ती है। परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों के बीच इन छोटी-छोटी आवश्यकताओं को पूरा करना भी महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि बच्चों की शिक्षा संबंधी जरूरतों को पूरा करने में उपयोगी साबित हो रही है। जब बच्चों की पढ़ाई के लिए कॉपी-पेन या अन्य आवश्यक सामग्री की जरूरत होती है, तो वह योजना से प्राप्त राशि का उपयोग कर उन्हें उपलब्ध कराती हैं। इससे बच्चों की पढ़ाई जारी रखने में सहयोग मिल रहा है और परिवार पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ भी कुछ कम हुआ है। बच्चों की कॉपी-पेन से लेकर घर की सज्जी तक, हर जरूरत में मिल रहा सहयोग मानकुंवर बताती हैं कि योजना से प्राप्त राशि केवल बच्चों की पढ़ाई में ही नहीं, बल्कि परिवार की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में भी सहायक है। वह इस राशि से घर के लिए सज्जियां एवं अन्य छोटी-मोटी आवश्यक वस्तुएं भी खरीदती हैं। उनके दिल पर हर महीने मिलने वाली यह आर्थिक सहायता परिवार के खर्चों को व्यवस्थित करने का एक उपयोगी माध्यम बन गई है। बच्चों की शिक्षा और धेरुल जरूरतों के बीच संतुलन बनाते हुए वह इस राशि का सदुपयोग कर रही हैं।

धमतरी जिले में टिकाऊ कृषि को मिलेगा बढ़ावा, जोरातराई बनेगा प्रदेश का पहला कार्बन न्यूट्रल गांव

मीडिया ऑडीटर, धमतरी (निप्र)। जिले में कृषि को अधिक टिकाऊ, जल संरक्षण आधारित एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने के उद्देश्य से वैकल्पिक जल प्रबंधन पद्धति अल्टरनेट वेटिंग एंड ड्राइंग को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज कलेक्टर श्री अंबिनाश मिश्रा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कृषि विभाग एवं परियोजना से जुड़े प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रोष्मकालीन धान उत्पादक क्षेत्रों में ङ्खुष तकनीक का विस्तार करते हुए 10 हजार हेक्टेयर क्षेत्र को इसके दायरे में लाने की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में ग्राम जोरातराई नवीन को प्रदेश का पहला कार्बन न्यूट्रल गांव बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी गई। गांव में AWD तकनीक के अंतर्गत पात्र किसानों की लगभग 95 प्रतिशत ऑनबोर्डिंग, प्रशिक्षण एवं



क्रियान्वयन संबंधी कार्य पूर्ण हो चुके हैं। इस प्रगति को देखते हुए जोरातराई नवीन को कार्बन न्यूट्रल गांव के मॉडल के रूप की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की बैठक में कृषि क्षेत्र में विविधीकरण को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया गया। दलहन एवं तिलहन फसलों का रकबा

वर्तमान क्षेत्रफल की तुलना में दोगुना करने की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही किसानों को उपज की बिक्री में सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सहकारी समितियों तथा खरीदी से जुड़ी तकनीक के लाभ, इसके व्यावहारिक उपयोग तथा सिंचाई जल के विवेकपूर्ण इस्तेमाल के संबंध में जानकारी देने के लिए मैदानी स्तर पर जागरूकता गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने शेष पात्र किसानों की ऑनबोर्डिंग शीघ्र पूर्ण करने, किसानों को उत्पादक किसानों को स्थानीय स्तर पर बेहतर बाजार सुविधा मिल सके।

कलेक्टर ने दिये प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश: कलेक्टर श्री मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रोष्मकालीन धान उत्पादक क्षेत्रों का चिन्हांकन कर पात्र किसानों को योजनाबद्ध तरीके से AWD पद्धति से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि जोरातराई

नवीन को प्रदेश का पहला कार्बन न्यूट्रल गांव बनाने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें और गांव में चल रही गतिविधियों को निर्धारित समयसीमा में पूरा करें। कलेक्टर ने किसानों को AWD संस्थाओं की संख्या और कार्यक्षेत्र बढ़ाने पर भी चर्चा की गई। जिन समितियों अथवा संस्थाओं के माध्यम से कृषि उपज की खरीदी की जाती है, वहां आवश्यक अधोसंरचना एवं व्यवस्थाओं का विस्तार किया जाएगा, ताकि दलहन-तिलहन उत्पादक किसानों को स्थानीय स्तर पर बेहतर बाजार सुविधा मिल सके।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने तीन गांवों में 1.55 करोड़ रुपए के गौरव पथ निर्माण का किया भूमिपूजन



सीसी रोड निर्माण की घोषणा भी की। **गुणवत्ता से समझौता नहीं, टिकाऊ सड़क निर्माण पर जोर:** उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने अधिकारियों को गौरव पथ निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और टिकाऊपन का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कें ऐसी बननी चाहिए, जो लंबे समय तक चलें और ग्रामीणों को बेहतर आवागमन की सुविधा दें। निर्माण कार्यों में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि उत्पादक बढ़ाने के साथ-साथ खरीदी और विपणन की व्यवस्था मजबूत करना भी आवश्यक है। इसके लिए सहकारी समितियों एवं खरीदी संस्थाओं की संख्या बढ़ाने, आवश्यक अधोसंरचना विकसित करने और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने की दिशा में टेस कार्रवाई की जाए। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों और परियोजना क्रियान्वयन टीम के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ वास्तविक रूप से किसानों तक पहुंचे, इसके लिए मैदानी स्तर पर सतत संपर्क, प्रशिक्षण, नियमित निरीक्षण और कार्यों की प्रगति की समीक्षा आवश्यक है।

मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक पेंशन सहायता योजना से युवराज और चौतराम को हर माह मिल रही 1500 रुपए की पेंशन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। । शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ उन्हें आर्थिक संबल प्रदान कर रही हैं। जिला मुख्यालय महासमुंद के वार्ड 16 निवासी श्री चौतराम साहू एवं ग्राम बेलसोड़ा निवासी श्री युवराज कुमार कन्नोजे की है, जिन्हें श्रम विभाग में पेंशन के लिए आवेदन करने के बाद प्रतिमाह 1500 रुपये की पेंशन राशि प्राप्त हो रही है। यह राशि उनके लिए आर्थिक सहायता का माध्यम बन गई है। पेंशन से उनको अपनी स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों और दैनिक जीवन में आवश्यक वस्तुओं की व्यवस्था करने में मदद मिल रही है। ज्ञातव्य है कि छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के पात्र श्रमिकों को मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक पेंशन सहायता योजना में आवेदन करने पर 1500 रुपए प्रति माह पेंशन सीधे बैंक खाते में प्रदान की जाती है। श्री चौतराम साहू ने बताया कि आवेदन के पश्चात उन्हें प्रतिमाह 1500 रुपये की पेंशन मिल रहा है। इस राशि से स्वास्थ्य से जुड़ी जरूरतों और रोजमर्रा में उपयोग होने वाली वस्तुओं की व्यवस्था करने में सहूलियत हो गया है। ग्राम बेलसोड़ा निवासी श्री युवराज कुमार कन्नोजे ने बताया कि वह हर महीने मिलने वाली पेंशन राशि का उपयोग वे अपनी सेहत का ध्यान रखने तथा दैनिक जीवन की आवश्यक वस्तुओं को खरीदने में करते हैं। नियमित रूप से मिलने वाली इस राशि से उन्हें अपनी छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल रहा है। श्री चौतराम साहू एवं युवराज कुमार कन्नोजे ने इस सहायता के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

सेवा संकल्प अभियान के अंतिम दिन रक्तदान शिविर आयोजित, 10 लोगों ने किया रक्तदान



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतिम दिवस युवाओं में मानव सेवा, सामाजिक जिम्मेदारी और स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आज कबीरधाम जिले के शासकीय गजानन माधव मुक्तिबोध महाविद्यालय सहसपुर लोहार में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिला चिकित्सालय कबीरधाम एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहसपुर

लोहारा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में कुल 10 लोगों ने स्वैच्छ से रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए अपनी सहभागिता निभाई। शिविर में महाविद्यालय के 9 छात्र-छात्राओं और एक भूतपूर्व छात्र सहित कुल 10 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। साथ ही हीमोग्लोबिन स्तर और रक्त समूह की जांच कर उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को रक्तदान के महत्व से परिचित कराना और जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहयोग देना था। शिविर के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि स्वैच्छिक रक्तदान मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान के प्रति जागरूक रहने और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए आगे आने की अपील की गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, अधिकारी-कर्मचारी, छात्र-छात्राएं, रेडक्रॉस इकाई के स्वयंसेवक तथा स्वास्थ्य विभाग की चिकित्सकीय टीम उपस्थित रही।

सेवा की कहानी: कृषक उन्नति योजना से बदली खेती की दिशा, धान की जगह अदरक की खेती कर नई संभावनाएं तलाश रहे किसान सुनील कुमार सिंह

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार किसानों की आय बढ़ाने, खेती को अधिक लाभकारी बनाने और फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। कृषक उन्नति योजना के माध्यम से किसानों को परंपरागत धान की खेती के स्थान पर अन्य लाभकारी फसलों की ओर बढ़ने के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता और कृषि विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन से किसान खेती में नए प्रयोग कर रहे हैं। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सरराजा जिले के अंबिकापुर विकासखंड स्थित ग्राम दरिमा के किसान सुनील कुमार सिंह की पहल इसका प्रेरक उदाहरण है। उन्होंने इस वर्ष धान की जगह एक एकड़ खेत में अदरक की खेती कर फसल विविधीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है।



और कदम: किसान सुनील कुमार सिंह बताते हैं कि पिछले वर्ष उन्होंने अपने खेत में धान की खेती की थी। इस वर्ष कृषि विभाग के ग्राम सेवक से कृषक उन्नति योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने परंपरागत खेती से हटकर वैकल्पिक फसल लगाने का निर्णय लिया। कृषि विभाग के मार्गदर्शन में उन्होंने अपनी एक एकड़ भूमि में अदरक की खेती शुरू की। वर्तमान में अदरक की फसल अच्छी स्थिति में है, जिससे वे बेहतर उत्पादन की उम्मीद कर रहे हैं। उनका कहना है कि खेती में नई फसलों को अपनाने से किसानों के लिए आमदनी के अतिरिक्त अवसर विकसित हो सकते हैं।

कृषक उन्नति योजना से मिलेंगे 15 हजार रुपये, खेती की लागत में मिलेगी राहत: सुनील कुमार सिंह ने बताया कि कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत पात्रता अनुसार एक एकड़ में फसल विविधीकरण करने पर उन्हें 15 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्राप्त होगी। इस राशि से अदरक की खेती में बीज, खाद एवं अन्य कृषि कार्यों पर हुए खर्च की भरपाई करने में सहायता मिलेगी। इससे खेती की लागत का आर्थिक बोझ कम होगा और फसल से प्राप्त होने वाली आमदनी के साथ अतिरिक्त आर्थिक संबल भी मिलेगा। उन्होंने बताया कि योजना के तहत मिलने वाला यह प्रोत्साहन किसानों को धान के अलावा अन्य फसलों की खेती करने के लिए प्रेरित कर रहा है। **कृषि विभाग का मार्गदर्शन बना नई खेती की प्रेरणा:** सुनील कुमार सिंह बताते हैं कि कृषि विभाग के ग्राम सेवक ने उन्हें कृषक उन्नति योजना के प्रावधानों और फसल विविधीकरण के लाभों की जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने अदरक

की खेती करने का निर्णय लिया। पहले वे धान की खेती करते थे, लेकिन इस वर्ष अदरक की फसल की अच्छी स्थिति देखकर अपने निर्णय से संतुष्ट हैं। उन्हें उम्मीद है कि अदरक का बेहतर उत्पादन होने से अच्छी आमदनी प्राप्त होगी। उनका मानना है कि शासन की प्रोत्साहन राशि और कृषि विभाग का मार्गदर्शन मिलने से किसान नई फसलों की खेती में आने वाली आर्थिक चुनौतियों का बेहतर तरीके से सामना कर सकते हैं। **प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के प्रति जलया आभार:** किसान सुनील कुमार सिंह ने बताया कि कृषक उन्नति योजना से उन्हें परंपरागत खेती के अलावा अन्य फसलों की ओर बढ़ने का अवसर मिला है। एक एकड़ में अदरक की खेती करने पर मिलने वाली 15 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि उनके लिए उपयोगी साबित होगी। उन्होंने योजना के माध्यम से मिल रहे प्रोत्साहन और कृषि विभाग के मार्गदर्शन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय तथा

कृषि विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। फसल विविधीकरण से मजबूत होगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ कृषि क्षेत्र में फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दे रही है। कृषक उन्नति योजना के माध्यम से धान के स्थान पर अन्य फसलों की खेती अपनाने वाले पात्र किसानों को प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराने की व्यवस्था खेती में नवाचार और वैकल्पिक फसलों के विस्तार को प्रोत्साहित कर रही है। इससे किसानों को उपलब्ध भूमि एवं संसाधनों का बेहतर उपयोग करने तथा बाजार की मांग के अनुरूप फसल उत्पादन की संभावनाएं तलाशने का अवसर मिल रहा है।सरराजा के किसान सुनील कुमार सिंह की पहल दर्शाती है कि शासन की योजनाओं और कृषि विभाग के मार्गदर्शन से किसान परंपरागत खेती से आगे बढ़कर नई संभावनाओं को अपना रहे हैं।